CNEWS सिटी चीफ

# सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-48
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार, 26 मई 2024

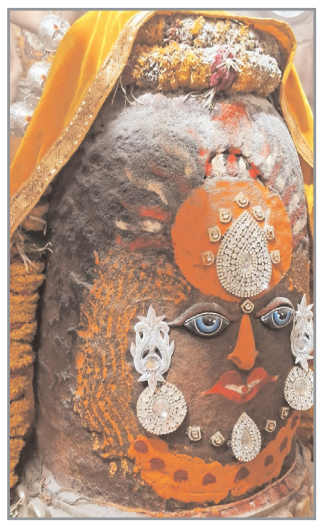

**आज का विचार**

दया के छोटे-छोटे से कार्य, प्रेम के जरा-जरा से शब्द हमारी पृथ्वी को स्वर्गोपम बना देते हैं.

-जूलिया कार्नी

## सिंगल कॉलम

### सबसे बड़ी बारूद फैक्टरी में जोरदार धमाका, दस लोगों की मौत, कई लोग मलबे में दबे

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में शनिवार को बेरला के बारूद फैक्टरी में धमाका हुआ है। धमाके में 10 लोगों की मौत हुई है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। प्रशासन की टीम रेक्स्यू कर रही है। दर्जनभर लोग घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, बेमेतरा जिले के बेरला ब्लॉक अंतर्गत ग्राम बोरसी स्थित बारूद फैक्टरी में धमाका हुआ है। घटना आज सुबह की है। बारूद फैक्टरी में ब्लास्ट की आवाज कई किलोमीटर तक सुनाई दी। इससे आस-पास के गांव के लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर जमा हो गए हैं। धमाके के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। उधर, घटना के तीन घंटे के बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। घायलों में से सात लोगों को रायपुर के मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई है।वहीं रायपुर के अलग-अलग निजी अस्पतालों में भी मरीजों को भर्ती कराया गया है। बेमेतरा कलेक्टर ने बताया कि मौके पर एसडीएम पहुंचे हैं कुल कितने लोग घायल हुए हैं अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। कई लोग मलबे में दबे हुए हैं। उन्हें निकालने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जहां पर ब्लास्ट हुआ है वहां पर 15 से 20 लोग काम करते हैं। कंपनी में बारूद का काम होता था। ब्लॉस्ट के बाद कर्मचारी बाहर की तरफ भागे। वहीं फैक्टरी का मलबा यानी सीमेंट के टुकड़े दूर तक गिरे हैं। कुछ लोग मलबा में दबे होने की आशंका है।

### 135 किलोमीटर तक की रफ्तार से आएगा चक्रवाती तूफान

**नई दिल्ली।** बंगाल की खाड़ी में बन रहा चक्रवाती तूफान 110-120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दस्तक दे सकता है। यह 135 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार पकड़ सकता है। मौसम विभाग ने 26-27 मई को पश्चिम बंगाल और उत्तरी ओडिशा के तटीय जिलों में अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके अलावा पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में 27-28 मई को अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है। तूफान के दस्तक देने के समय समुद्र में 1.5 मीटर ऊंची लहरें उठने की आशंका है जिससे तटीय पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के निचले इलाके डूब सकते हैं। मौसम विभाग ने मछुआरों को 27 मई की सुबह तक बंगाल की खाड़ी के उत्तरी भाग में समुद्र में न जाने की चेतावनी दी है। मौसम विभाग ने 26 और 27 मई को पश्चिम बंगाल के तटीय जिलों (दक्षिण और उत्तर 24 परगना) के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। यहां कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान है। वहीं, उत्तर पश्चिम भारत, मध्य प्रदेश जैसे इलाकों में हीटवेव चल रही है। वहीं, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र, विदर्भ, छत्तीसगढ़ में भी अगले चार से पांच दिनों के दौरान हीटवेव चलने का अनुमान है। मॉनसून की बात करें तो मौसम विभाग ने गुड न्यूज देते हुए कहा है कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के शेष भागों में आगे बढ़ गया है। इसके अलावा, दक्षिण-पश्चिम और मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्से, और पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी में आगे बढ़ने की संभावना है। मालूम हो कि 31 मई को मॉनसून के केरल में दस्तक दे सकता है। बीते दिन के मौसम की बात करें तो पश्चिमी राजस्थान, पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश में हीटवेव चली। जम्मू कश्मीर, लद्दाख, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र, दिल्ली विदर्भ, हरियाणा, चंडीगढ़ आदि में भी हीटवेव की स्थिति देखी गई। पश्चिमी राजस्थान के फलौदी में सबसे ज्यादा तापमान 49 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इन राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट मौसम विभाग के अनुसार, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल में 25-29 मई के बीच भारी बारिश होने वाली है। केरल, माहे, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, तटीय कर्नाटक में भी तेज बारिश होगी। छत्तीसगढ़ में 25 और 26 मई, झारखंड में 25-28 मई, बिहार में 26-28 मई, उत्तराखंड में 25-29 मई, विदर्भ में 25 मई, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में भी बारिश होगी।

### पूर्व विधायक किशोर समरीते की होगी गिरफ्तारी

**हाईकोर्ट ने दिए कोर्ट में सरेंडर करने के आदेश**

जबलपुर। बालाघाट जिले से लांजी के पूर्व विधायक किशोर समरीते को हाईकोर्ट से झटका लगा है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने एसडीएम कार्यालय में आगजनी तथा हमला करने के आरोप में जिला न्यायालय में निर्धारित सजा को सही ठहराया है। हाईकोर्ट की एकलपीठ ने एससी एसटी एक्ट में दी गयी सजा को निरस्त कर दिया है। पूर्व विधायक किशोर समरीते ने अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के विरोध में 19 अप्रैल 2004 को एसडीएम लांजी धनेश्वर साई के कार्यालय में भीड़ के साथ हमला किया था। भीड़ हमला करने के लिए हाथ में लाठियां लेकर गई थी। होमगार्ड के सैनिकों ने उन्हें कार्यालय से बाहर निकाला था। इसके बाद उन्होंने सरकारी गाडी तथा कार्यालय में आग लगा दी थी।

# दिल्ली के बेबी केयर सेंटर में भीषण आग

## 7 नवजात की मौत, पांच गंभीर

देश की राजधानी दिल्ली के शाहदरा के विवेक विहार इलाके में शनिवार देर एक बेबी केयर सेंटर में आग लग गई। आग से 12 बच्चों का रेस्क्यू कराया गया। अग्निकांड में बचाए गए 12 में छह नवजात बच्चों ने दम तोड़ दिया। जबकि एक नवजात की पहले ही मौत हो चुकी थी। सात नवजात बच्चों की मौत हुई है, पांच नवजात अस्पताल में भर्ती हैं, इनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है।

अधिकारियों ने बताया कि 12 नवजात शिशुओं को इमारत से बचाया गया था लेकिन छह की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि एक बच्चे को मृत निकाला गया था। पांच का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनमें से एक की हालत भी गंभीर बनी हुई है। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब 11:32 बजे दिल्ली के शाहदरा इलाके में आईआईटी ब्लॉक बी, विवेक विहार स्थित बेबी केयर सेंटर में आग लगने की सूचना

मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल की 16 गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। दमकल विभाग के मुताबिक, चाइल्ड केयर सेंटर में बच्चे और स्टाफ मौजूद था। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मी इमारत में फंसे स्टाफ और नवजात को बचान के लिए जुट गए। देर रात तक सभी का रेस्क्यू कर लिया गया। एक नवजात मृत मिला था। जबकि बचाए गए 12 नवजात बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान छह नवजात बच्चों ने दम तोड़ दिया। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि भूतल समेत तीन मंजिला इमारत पूरी तरह से आग की लपटों में घिरी हुई थी। इमारत के बाहर खड़ी एक वैन भी पूरी तरह से जल चुकी थी। मौके पर हाहाकार के बीच दमकल कर्मी तुरंत आग बुझाने में जुट गए।

**इमारत के पीछे की खिड़कियां तोड़कर निकाले गए नवजात** शाहदरा जिले के विवेक विहार में बेबी केयर सेंटर में आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। शोर शराबे के बीच स्थानीय लोग मदद के लिए भागे।

## तीन बच्चे पैदा करने पर गुजरात में बीजेपी के दो पार्षदों की सदस्यता खत्म

**दोनों 2021 में दामनगर पालिका के चुनाव में जीते थे, कलेक्टर ने ठहराया अयोग्य**

### अमरेली में दो बीजेपी पार्षदों

**अहमदाबाद** गुजरात में तीन बच्चे होने पर बीजेपी के दो पार्षदों की सदस्यता को सामाप्त कर दिया गया है। अमरेली जिले के कलेक्टर ने दोनों पार्षदों को अयोग्य घोषित कर दिया है। इनमें एक महिला और एक पुरुष पार्षद शामिल हैं। दोनों 2021 में जिले की दामनगर पालिका के चुनाव में जीते थे।

जिला कलेक्टर ने गुजरात नगर पालिका अधिनियम 1963 का हवाला देते हुए यह कार्रवाई की है। कलेक्टर के आदेश के बाद दामनगर पालिका के वार्ड संख्या दो और तीन में दो सीटें खाली हो गई है। गुजरात में स्थानीय निकाय में 50 फीसदी महिला आरक्षण लागू है। दोनों के तीसरा बच्चा होने पर शिकायत प्राप्त हुई थी। इसके बाद जांच की गई थी। अमरेली जिला कलेक्टर अजय दहिया के आदेश से बीजेपी को बड़ा झटका लगा है। कलेक्टर ने तुरंत प्रभाव से खीमा कासोटिया (पुरुष) और मेघना अरविंद बोखा (महिला) को शहरी स्थानीय निकाय के पार्षदों के रूप में तत्काल प्रभाव से अयोग्य घोषित कर दिया है। जब ये दोनों पार्षद निर्वाचित हुए थे तो इनके दो बच्चे थे। तीसरे बच्चे को जन्म देने के बाद इनके खिलाफ यह कार्रवाई अमल में लाई गई है। कलेक्टर के आदेश के बाद

दामनगर पालिका में दो सीटें खाली हो गई हैं। कलेक्टर कार्यालय ने के अनुसार दोनों को नगर निगम अधिनियम-11(1)(एच) के तहत अयोग्य घोषित कर धारा-38 के तहत वर्तमान पद से हटाया गया है।

**दोनों पहली बार बनी थी पार्षद** दामनगर पालिका के जिन पार्षदों को अयोग्य घोषित किया गया है। उनका कहना है उन्हें यह नहीं पता था कि जीतने के बाद भी बच्चा पैदा होने पर उनके खिलाफ आयोग्यता की कार्रवाई हो सकती है। मेघना बोखा के पति अरविंद ने कहा कि वे फैसले का अध्ययन कर रहे हैं। इसके बाद आगे की रणनीति में बारे में फैसला लेंगे। अरविंद बोखा ने कहा कि हमारे पहले से एक बेटी और एक बेटा है। भगवान ने हमें दूसरे बेटे का आशीर्वाद दिया। इसी तरह मेरे दोस्त खीमा, जो दो बेटियों के पिता थे। उन्हें भी भगवान ने एक बेटा दिया है।

## भ्रामक विज्ञापनों को लेकर बाबा रामदेव और बालकृष्ण पर चलेगा क्रिमिनल केस

**सुप्रीम कोर्ट ने की जनता को गुमराह करने और उपभोक्ताओं के भरोसे का फायदा उठाने के लिए पतंजलि की आलोचना, कंपनी को अखबारों में माफीनामा प्रकाशित करने का दिया आदेश**

**नई दिल्ली।** भ्रामक विज्ञापनों को लेकर पतंजलि आयुर्वेद के संस्थापक बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ अब क्रिमिनल केस चलेगा। एकअदालत ने इसकी इजाजत दे दी है। 3 जून को इस मामले में अगली सुनवाई होगी। इस केस में रामदेव और बालकृष्ण को व्यक्तिगत रूप से पेश होने की भी संभावना है।

सुप्रीम कोर्ट ने जनता को गुमराह करने और उपभोक्ताओं के भरोसे का फायदा उठाने के लिए पतंजलि की आलोचना की और कंपनी को अखबारों में माफीनामा प्रकाशित करने का आदेश दिया। कोर्ट ने पतंजलि के खिलाफ 1945 के ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स को लागू न करने के लिए केंद्र सरकार को भी फटकार लगाई थी। आपको बता दें कि इससे पहले दोनों ही सुप्रीम कोर्ट की अवमानना को लेकर कार्यवाही का सामने कर रहे हैं। देश की सर्वोच्च अदालत ने उन्हें सशरीर पेश होने का आदेश

दिया था। अप्रैल 2024 में ड्रग्स इंस्पेक्टर द्वारा दायर मामले में केरल के कोझिकोड में फर्स्ट क्लास मजिस्ट्रेट की अदालत में सुनवाई होनी है। ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 की धारा 3 (बी) और 3 (डी) के तहत मामला दर्ज किया गया था। **कई अदालतों में जांच का सामना** सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में निर्देश दिया था कि पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों से जुड़े अवमानना मामले में उनकी उपस्थिति अनिवार्य है। पतंजलि आयुर्वेद और इसके संस्थापकों को अपने विज्ञापनों में किए गए दावों के लिए कई अदालतों में जांच का सामना करना पड़ रहा है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने पहले सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसके कारण पतंजलि के कुछ विज्ञापनों पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया गया था। बीमारियों के इलाज में उनके उत्पादों के प्रभाव के बारे में झूठे दावों के लिए अवमानना नोटिस जारी किए गए थे।

### कुरकुरे खिलाने का लालच देकर बच्ची से किया था दुष्कर्म, 64 साल के बुजुर्ग को 20 साल की सजा

सागर में 8 साल की बच्ची से दुष्कर्म करने वाले 64 साल के बुजुर्ग को न्यायालय ने 20 साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने बालिका को 4 लाख रुपए क्षतिपूर्ति देने के लिए भी कहा है। फैसला शनिवार को तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश व विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट 2012) नीलम शुक्ला की कोर्ट ने सुनाया। जानकारी अनुसार आरोपी ने बच्ची को कुरकुरे देने का लालच दिया और फिर वह उसे बहला-फुसलाकर अपने कमरे में ले गया, जहां उसके साथ गलत काम किया। साथ ही घटना के बारे में किसी को बताने पर उसने जान से मारने की धमकी भी दी थी। आरोपी ने करीब 8-10 बार बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। आरोपी की हरकतों से परेशान होकर बच्ची ने अपने बड़े भाई को आपबीती बताई। भाई ने घटना की जानकारी मां को दी। इसके बाद मासूम पीड़िता ने परिवार वालों के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच कर आरोपी को गिरफ्तार किया। शनिवार को कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 साल कैद की सजा सुनाई।

## अब सारे शहजादों का गिरने वाला है शटर : मोदी

**पीएम बोले- तेजस्वी अब जमानत का काम देखेंगे, राहुल ने छुट्टियों की तैयारी शुरू की**

**बक्सर।** आज जो मतदान हो रहा है, इससे इंडी गठबंधन की सारी हवा निकल चुकी है। जो पांच चरण का मतदान पूरा हुआ है और आज जो छठे चरण में चीजें नजर आ रही हैं, उसमें साफ दिखता है कि अब सारे शहजादों का शटर गिरने वाला है। बिहार के शहजादे अब आराम से जमानत, जमानत का काम देखेंगे। कांग्रेस के शहजादे ने भी छुट्टियों की तैयारी शुरू कर दी है और यूपी के शहजादे को तो शायद सदमा लग गया है। वो कल कह रहे थे कि बनारस में मोदी चुनाव हारने वाला है। यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कह। उन्होंने यह भी कह दिया कि यूपी में 80 की 80 सीटें इंडी

गठबंधन जीत रहा है। ये बातें सुनकर उनकी पार्टी के लोग भी हंस रहे थे। प्रधानमंत्री शनिवार को बक्सर लोकसभा क्षेत्र में अहिरौली मैदान में एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। पीएम मोदी ने कहा- 500 साल बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर बना और आप सबका सपना पूरा हुआ... कितना गर्व हुआ। लेकिन जब पूरा देश उत्सव मना रहा था, जब बक्सर के लोग रामलला के लिए उपहार भेज रहे थे, तब वो कौन लोग थे जो प्राण प्रतिष्ठा का बहिष्कार कर रहे थे। ये वही कांग्रेस-आरजेडी और इंडी गठबंधन वाले लोग हैं, जो हर पवित्र कार्य में विघ्न डालते हैं।

**कांग्रेस देश को अपनी जागीर समझती है, शहजादे को इकलौता वारिस मानती**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस देश को अपनी जागीर समझती है, उसको लगता है कि शहजादे ही इकलौते वारिस हैं। लेकिन गठबंधन वाले कह रहे हैं कि 5 साल में 5 प्रधानमंत्री बनेंगे। क्या इतना बड़ा देश ऐसे चल सकता है क्या? भ्रष्टाचार इनके संस्कारों में इतने गहरे तक बैठा है, ये देश को भी नोटों की गड्डी के रूप दिख रहा है।

## 15 दिन में 10 लाख से ज्यादा ने किए दर्शन

**बनाया रिकॉर्ड : 10 से 24 मई तक बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री धाम में 10.30 लाख से अधिक श्रद्धालु कर चुके हैं दर्शन**

**देहरादून।** चारधाम में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा 10 लाख पार हो गया है। शुरूआती 15 दिनों में ही श्रद्धालुओं ने यह रिकॉर्ड बनाया है। प्रशासन के अनुसार, 10 से 24 मई तक बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री धाम में 10.30 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। इनमें केदारनाथ धाम में सबसे अधिक 4.47 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने कहा कि चारधाम यात्रा में आने वाले तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। बिना पंजीकरण के यात्रा नहीं करने दी जाएगी। इस पर सख्ती बरती जा रही है। यात्रा मार्गों और धामों में भीड़ प्रबंधन के लिए आवश्यकता पड़ने पर एनडीआरएफ और आईटीबीपी की मदद ली जाएगी। ट्रांजिट कैंप ऋषिकेश में तीन चार दिन के भीतर बिना पंजीकरण के रोके गए तीर्थ यात्रियों का बैकलॉग खत्म हो जाएगा। शुक्रवार को मीडिया सेंटर में प्रेसवार्ता में गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने कहा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा कर

रहे हैं। तीर्थ यात्रियों की सुरक्षित यात्रा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यात्रियों को यदि किसी स्थान पर ठहराया जा रहा है तो वहां पर उन्हें सभी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

**सफाई व्यवस्था की हर दो घंटे में रिपोर्ट** चारधाम यात्रा के लिए ऋषिकेश और हरिद्वार में एक सप्ताह से रुके यात्रियों का पंजीकरण कर यात्रा पर भेजा जा रहा है। ऋषिकेश में 7500 लोग रुके हैं। उन्हें भी तीन से चार दिन में भेजा जाएगा। चारों धाम में यात्रा सुचारू रूप से चल रही है। यात्रा व्यवस्थाओं को बेहतर करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। धामों में साफ-सफाई व्यवस्था की निगरानी के लिए दो अधिकारियों की तैनाती की गई है। ठहराव वाले स्थानों पर स्पेशल सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती करने के निर्देश दिए गए। सेक्टर मजिस्ट्रेट सफाई व्यवस्था की हर दो घंटे में रिपोर्ट भेजेंगे।

**फर्जी पंजीकरण करने में 13 मुकदमे दर्ज** चारधाम यात्रा के लिए फर्जी पंजीकरण करने में टूर ऑपरेटरों के खिलाफ 13 मुकदमे दर्ज किए गए। इसमें ऋषिकेश में तीन, हरिद्वार में एक और रुद्रप्रयाग में नौ एफआईआर दर्ज की गई। सरकार की ओर से सख्त निर्देश दिए गए कि बिना रजिस्ट्रेशन और रजिस्ट्रेशन की तय तिथि से पहले यात्रा किसी भी दशा में नहीं करने दी जाएगी।

## सिंगल कॉलम

### पुलिस वालों पर हमला करने वाले दो गिरफ्तार

*इंदौर। कनाड़िया बायपास पर पुलिस पर हमला करने वालों को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी बिजली फिटिंग का काम करते हैं और मौका मिलने पर घरों में चोरी करते थे। पुलिस से बचने के लिए भागने के दौरान गाड़ी से गिरने पर दोनों आरोपियों को हाथ-पैर टूट गए। दरअसल, कनाड़िया बायपास पर गुरुवार रात दो लोगों ने एफआरवी के ड्राइवर अनिल चौधरी और पुलिसकर्मी अनिल कश्यप पर जानलेवा हमला कर घायल उन्हें घायल कर दिया था। आरोपी भाग निकले थे। पुलिस ने आरोपियों की तलाश की और उन्हें पकड़ा। आरोपी सोनू परमार और गोविंद मालवीय निवासी देवास बिजली फिटिंग का काम करते हैं। इसके साथ ही मौका पाकर घरों में चोरी करते। फिलहाल दोनों पुलिसकर्मी ठीक है।*

### मंत्री के घर से 200 मीटर दूर पांच गाड़ियां चुरा ले गए बदमाश

*इंदौर। सुरक्षित कहे जाने वाले इंदौर के नंदानगर क्षेत्र में अब चोरी की घटनाएं होने लगी है। इस क्षेत्र में चोर गिरोह सक्रिय है। शुक्रवार रात नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के निवास से 200 मीटर दूर चोरों ने वाहन चोरी की वारदात को अंजाम दिया। एक साथ पांच वाहन चोरी हो गए। अब पुलिस सीसीटीवी फुटेज से वाहन चोरों का पता लगा रही है। मंत्री विजयवर्गीय नंदा नगर की गली नंबर 9 में रहते है। दो माह पहले उनके निवास के पास ही एक बाइक चोरी हो गई थी। शुक्रवार रात को गली नंबर दस में एक साथ पांच दोपहिया वाहन चोरी हो गए। चोर रात को लॉक तोड़कर पांचों वाहनों को चुराकर ले गए। सुबह लोगों ने घरों के बाहर अपने वाहन नहीं देखे तो वे दंग रहे गए और पुलिस को सूचना दी। क्षेत्र में पहली बार एक साथ पांच वाहनों के चोरी होने की घटना सामने आई है। पुलिस ने गली में जिनके घरों में कैमरे लगे है। उनके फुटेज के आधार पर बदमाशों को हुलिया निकाला। एक माह पहले नंदा नगर की गली नंबर आठ में वाहन चोरी हो चुके है। यह इस चोरी का वीडियो फुटेज भी पुलिस को मिला। इस वारदात में तीन युवक मुंह पर कपड़ा बांधकर गाड़ी चुराने आए थे। एक युवक ने पहले वाहन का हेंडल लॉक तोड़ा, फिर गाड़ी को थोड़ा आगे ले जाकर स्टार्ट किया। तब तक उसके साथी दो युवक आसपास नजर रख रहे थे, ताकि किसी के जागने पर वे उसका विरोध कर भाग सके।*

### कॉन्ट्रैक्ट खत्म हुआ तो एयरपोर्ट पर 12 शॉपिंग काउंटर बंद, सिर्फ खाने-पीने के ही बचे

*इंदौर। एयरपोर्ट पर अब आप एंटर करेंगे तो खरीदी के लिए सभी काउंटर आपको बंद मिलेंगे। खाने-पीने को छोड़ अब कोई अन्य स्टॉल्स खुले नहीं दिखेंगे। टर्मिनल में शॉपिंग से जुड़े सभी 12 काउंटर को बंद कर दिया है। इसे लेकर वजह बताई जा रही है कि कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया है। उधर, एयरपोर्ट प्रबंधन का कहना है कि नए सिरे से कॉन्ट्रैक्ट किए हैं। इस प्रक्रिया में डेढ़-दो महीने लगेंगे। इसके बाद दोबारा सभी काउंटर शुरू हो जाएंगे। हालांकि अभी यह सभी काउंटर बंद होने से एयरपोर्ट पर यात्रियों को सूना-सूना सा लग रहा है। यात्रियों ने कहा कि इस तरह की स्थिति पहले कभी नहीं देखी। दरअसल, एयरपोर्ट पर 2018 में यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के चलते शॉपिंग काउंटर्स के लिए टेंडर हुए थे, जिसमें अलग-अलग ब्रांड से जुड़ी कंपनियां इंदौर आई थीं। इसके बाद दिल्ली के एक ग्रुप को टेंडर मिला था। साथ ही 12 शॉपिंग काउंटर भी शुरू हुए थे। जो काउंटर्स बंद हुए हैं, उनमें फैशनेबल आइटम, ब्रांडेड कपड़े, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, नमकीन, माहेश्वरी सिल्क आदि के काउंटर्स थे। इधर, जिस कंपनी के पास यह कॉन्ट्रैक्ट था, उसने एयरपोर्ट को काफी पहले बंद करने का नोटिस दिया था। सवाल यह है कि जब पहले ही सूचना दे दी थी तो अब तक टेंडर क्यों नहीं किए गए। काउंटर्स बंद करने का इंतजार क्यों किया गया। इन सभी के बीच यह काउंटर बंद होने से करीब 50 लाख रुपए का नुकसान एयरपोर्ट प्रबंधन को होगा।*

### बाल कलाकार को दिया इंस्टाग्राम पर ब्लू टिक लगवाने का झांसा

*इंदौर। धारावाहिक,फिल्मों में अभिनय कर चुकी बाल कलाकार साइबर अपराधियों का शिकार हो गई। एक हैकर ने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर ब्लू टिक का झांसा देकर आईडी हैक कर ली। आरोपी द्वारा 200 डॉलर की मांग करने पर पुलिस एक्शन में आई। एडिशनल डीसीपी (अपराध) राजेश दंडोतिया के मुताबिक बाल कलाकार बार्बी शर्मा द्वारा शिकायत दर्ज करवाई गई है। 11 वर्षीय बार्बी के इंस्टाग्राम पर 6.5 लाख फॉलोअर्स है। उसने पुलिस को बताया कि आरोपी ने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर ब्लू टिक करवाने का प्रलोभन दिया और ऑथेंटिक कोड ईमेल के माध्यम से हैकर ने ले लिया। हैकर ने प्रोफाइल का यूजर नेम और पासवर्ड बदल लिया। शिकायत की जांच के दौरान पुलिस को पता चला हैकर टर्की देश का सॉफ्टवेयर से आईडी अपडेट कर रहा था। अपराध शाखा ने मेटा प्लेटफार्म को नोटिस भेजकर प्रोफाइल रिकवर और पासवर्ड रीसेट करवा लिया।*

# इंदौर में युवाओं में बढ़ता जा रहा तनाव, अवसाद और चिंता, उठा रहे आत्मघाती कदम, जानें कैसे करें बचाव

**सिटी चीफ इंदौर।**

युवाओं में नौकरी, पारिवारिक चिंता, आर्थिक स्थिति के कारण तनाव, अवसाद बढ़ता जा रहा है। कई मामलों में समाधान नहीं मिलने से वे आत्मघाती कदम उठा रहे हैं। शहर में ही हर वर्ष सैकड़ों लोग इसके चलते आत्महत्या कर रहे हैं। इसका एक कारण यह भी है कि इनके मनोरोग को परिवार के सदस्य ही नहीं समझते हैं। एक माह पहले इंदौर में एक युवती ने 16वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। वह सोमेटाइजेशन से पीड़ित थी। ऐसे कई लोग हैं जो सोमेटाइजेशन से पीड़ित हैं। उन्हें समय पर इलाज उपलब्ध करवाकर बचाया जा सकता है। सरकार द्वारा मनोरोग के लिए संचालित टेलिमानस हेल्पलाइन में मार्च में 1700 से अधिक लोगों ने काउंसलिंग ली। इसमें सबसे अधिक फोन नींद न आने की शिकायत को लेकर आए, वहीं मनोदशा की उदासी को लेकर काफी फोन आ रहे हैं। इसमें यह बता रहे हैं कि वे खुश नहीं हैं। उन्हें

ऐसा लग रहा है कि समझने वाला भी कोई नहीं है। मनोचिकित्सक डॉ. कृष्णा मिश्रा ने बताया कि सोमेटाइजेशन को लेकर लोगों में जागरूकता की कमी है। इसमें शरीर के किसी एक हिस्से में दर्द होता है और इसका कारण भी समझ नहीं आ पाता है। इस कारण अक्सर व्यक्ति लंबे समय तक पीड़ा से गुजरता है। इनके मन में आसपास के सामान्य लोगों की तरह दैनिक जीवन न जी पाने का अफसोस रहता इसमें पीड़ित के आसपास नकारात्मक वातावरण बन जाता है। वह नकारात्मक चीजों को ही देखना पसंद करता है। हाल ही में एक मरीज काउंसलिंग के लिए आया था,जिसमें उसे सांस फूलने की शिकायत थी। जांच में कुछ सामने नहीं आ रहा था। मरीज को लग रहा था कि उसे अस्थमा हो सकता है, लेकिन वास्तव में वह सोमेटाइजेशन से पीड़ित है। दर्द की जांच रिपोर्ट सामान्य आए तो हो सकता है यह सोमेटाइजेशन है

**यह होता है सोमेटाइजेशन**

विशेषज्ञों के मुताबिक सोमेटाइजेशन एक प्रकार की मानसिक अवस्था है जिसमें जो तनाव होता है, वह अनसुलझा होता है। आमतौर पर मनोरोग में अवसाद, सिर दर्द या कोई हरकत व्यक्ति द्वारा की जाती है, लेकिन सोमेटाइजेशन में शरीर के किसी भी अंग में दर्द होने लगता है। मरीज सभी जांच भी करवा लेता है। बावजूद कारण पता नहीं चल पाता है। क्योंकि यह एक प्रकार का मनोरोग होता है।

**सबसे अधिक नींद नहीं आने से परेशान**

एक माह में 1700 से अधिक लोगों की काउंसलिंग की गई। इसमें सबसे अधिक 267 लोगों ने टेलिमानस हेल्पलाइन पर नींद से संबंधित समस्या बताई। 115 लोगों ने बताया कि उन्हें दिनभर तनाव महसूस होता है।

**कोई यदि परेशानी बताए तो उसे समझें, उचित सलाह दें**

विशेषज्ञों ने बताया कि यदि शरीर के किसी हिस्से में लंबे समय से दर्द बना हुआ है और उसकी जांच के बाद भी यदि कुछ सामने नहीं आता है कि उसे एक बार स्वयं यह सोचना चाहिए कि यह मनोरोग के कारण तो नहीं हो रहा है। ऐसे में एक बार मनोचिकित्सक की सलाह भी अवश्य लेनी चाहिए, वहीं परिवार को भी इसे लेकर जागरूक होने की आवश्यकता है कि कोई सदस्य यदि अपनी कोई परेशानी बता रहा है तो उसे समझने की कोशिश करनी चाहिए। यदि परिवार के सदस्य या दोस्तों से पीड़ित चर्चा कर लेता है तो उसके अंदर आने वाले नकारात्मक विचार कम हो जाते हैं।

**रहवासियों के साथ पौन घंटे टंकी पर बैठे रहे कालरा, टैंकर चालकों पर पानी बेचने का लगाया आरोप**

# अपनी ही परिषद के खिलाफ अर्धनग्न होकर धरना देने पहुंच गए पार्षद

**सिटी चीफ इंदौर।**

इंदौर में भीषण गर्मी के बीच कई इलाकों में जलसंकट व्याप्त है। स्नेह नगर क्षेत्र में जलसंकट के कारण एक भाजपा पार्षद को अपनी ही परिषद के खिलाफ अर्धनग्न होकर टंकी पर धरना देना पड़ा। रहवासियों के साथ वे पौन घंटे टंकी पर बैठे रहे। जब अफसरों ने टैंकरों से जल वितरण करने का आश्वासन दिया। तब पार्षद ने धरना समाप्त किया।

वार्ड क्रमांक 65 चार नंबर विधानसभा क्षेत्र में आता है। यहां की विधायक मालिनी गौड़ है और पार्षद भी भाजपा के कमलेश कालरा है। क्षेत्र में कई दिनों से कम दबाव से नल आ रहे है। रहवासियों ने पार्षद को शिकायत की तो उन्होंने मेयर पुष्य मित्र भार्गव को इसकी जानकारी दी। कुछ दिनों तक जलापूर्ति ठीक रही, लेकिन फिर जलसंकट गहराने लगा। जब रहवासियों ने पार्षद कालरा पर दबाव बनाया तो वे शनिवार सुबह कुछ रहवासियों के साथ पटेल नगर उद्यान स्थित पानी की टंकी पर पहुंचे और अर्धनग्न होकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। उनके साथ आए रहवासियों ने नारेबाजी शुरू कर दी।

**मौके पर पहुंचे एमआईसी सदस्य और अफसर**

नर्मदा टंकी के परिसर में सुबह करीब साढ़े आठ बजे पार्षद ने धरना शुरू कर दिया। कालरा ने कहा कि उनके वार्ड 65 में आठ-दस दिनों से पानी कम दिया जा रहा है। इतना ही नहीं इसी टंकी से जुड़े वार्ड 62 और

63 में भी यही स्थिति है। महापौर से लेकर अधिकारियों तक सभी को शिकायत कर दी। एक दिन पानी पर्याप्त दिया इसके बाद फिर व्यवस्था बिगड़ गई। पार्षद के धरने की खबर मिलने के घंटेभर बाद एमआइसी सदस्य मनीष शर्मा मामा मौके पर पहुंचे। थोड़ी देर बाद नर्मदा परियोजना के इंजीनियर संजीव श्रीवास्तव व अन्य अधिकारी भी पार्षद से चर्चा करने पहुंचे। पार्षद ने अफसरों पर आरोप लगाया कि वार्ड में जो टैंकर जल वितरण के लिए भेजे गए है। उनके चालक ठीक तरह से पानी नहीं बांट रहे है। उन्होंने पानी बेचने का आरोप भी लगाया। रहवासियों ने कहा कि टैंकर दिखावे के लिए थोड़ा पानी डाल देते है। जो रहवासी 300-400 रुपये देते है,उन्हें ज्यादा पानी दिया जाता है।

**अफसरों के आश्वासन पर समाप्त किया धरना**

अधिकारियों ने कहा कि कुछ नई टंकिया बन गई है। उन्हें भी भरा जाना होता है। इसके लिए इस टंकी में पानी की कटौती की गई थी। इस पर पार्षद ने कहा कि पहले जैसे पानी मिल रहा था वैसी ही आपूर्ति होना चाहिए। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि आगे जल प्रदाय में कोई कटौती नहीं होगी। अफसरों ने वार्ड में टैंकरों की संख्या बढ़ाने और टंकी पर्याप्त मात्रा में भरने का आश्वासन दिया। उसके बाद पार्षद ने धरना समाप्त किया।

**दूसरा आरोपी जामगेट-महू के पार्वती मंदिर में बन गया था बाबा**

# 13 साल से फरार हत्या का आरोपी नागपुर में बेच रहा था जड़ी-बूटी

**सिटी चीफ इंदौर।**

देवरी पुलिस ने 33 साल पुराने हत्या के दो आरोपियों को अलग-अलग स्थान से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों में से एक आरोपी भगवा कपड़े धारण कर इंदौर के पास जामगेट-महू के पार्वती मंदिर में बाबा बन गया था। दूसरा जड़ी-बूटी बेचने वाला वैद्य। अब दोनों जेल की सलाखों के पीछे पहुंच गए हैं।

33 साल पहले देवरी थाना क्षेत्र के ग्राम मछरिया में खेत में मवेशी घुसने के विवाद को लेकर हुई बाबूलाल पचौरी की जघन्य हत्या के मामले में 10 दिन के अंतर से दूसरा आरोपी भी नागपुर में जड़ी बूटी बेचते हुए पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी रोहित डोंगरे ने बताया कि देवरी थाना क्षेत्र के ग्राम मछरिया में खेत में मवेशी घुसने को लेकर 1991 में हुए विवाद के चलते प्रभु दयाल पचौरी एवं उमाशंकर तिवारी ने बाबूलाल पचौरी की धारदार हथियार से जघन्य हत्या कर दी थी। इस मामले में जिला न्यायालय ने दोनों आरोपितों को दोष मुक्त कर दिया था। मामला उच्च न्यायालय से होकर सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा और सुप्रीम कोर्ट से इन्हें उम्रकैद की सजा मिली। सजा के बारे में सुनते ही दोनों फरार हो गए थे। उन्हें पकड़ने के लिए वारंट जारी किया गया था। दोनों पिछले 13 साल से फरार थे।

दस हजार रुपए का घोषित किया था इनाम

सर्वोच्च न्यायालय ने बार-बार दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए वारंट जारी किए। पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी ने हत्या के दोनों फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए,10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया। एवं थाना प्रभारी देवरी को पतासाजी के निर्देश दिए। थाना प्रभारी रोहित डोंगरे ने बताया कि एसपी के निर्देश के बाद पुलिस टीम बनाकर मुखबिर तंत्र और साइबर सेल की मदद से पहले आरोपी प्रभु दयाल पचौरी, उम्र 67 साल, को इंदौर के पास जामगेट स्थित मां पार्वती के मंदिर में नाम बदलकर भगवा रंग के कपड़े की वेशभूषा में महंत सिद्धेश्वर के रूप में गिरफ्तार किया था। दूसरे आरोपी की तलाश में पुलिस जुट गई।

**सुमित्रा महाजन ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर की तीन तीर्थस्थलों को जोड़ने के लिए रेलगाड़ी चलाने की मांग**

# उज्जैन से तिरुपति,रामेश्वरम तक चलाएं ट्रेन

**सिटी चीफ इंदौर।**

देवी अहिल्या का 299 वां जन्म उत्सव इंदौर में गौरव दिवस के रुप में मनाया जा रहा है। गौरव दिवस के मौके पर पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर तीन तीर्थ स्थलों को जोड़ने के लिए रेलगाड़ी चलाने की मांग की है। सुमित्रा महाजन (ताई) ने पत्र में लिखा कि देवी अहिल्या ने देश के 12 ज्योतिर्लिंगों के जीर्णोद्धार और कई प्रमुख नदियों पर घाटों का निर्माण कराया है। होलकर राज्य का कार्य भी अहिल्या बाई हुजूर शंकर के नाम से संचालित करती थी। अहिल्या बाई के त्रिशताब्दी जन्मोत्सव वर्ष के मौके पर

उन्होंने प्रधानमंत्री से उज्जैन, तिरुपति से रामेश्वरम तक त्रिसाप्ताहिक ट्रेन चलाने की मांग की है। ताई ने कहा कि इस ट्रेन के संचालन से तीन धर्मस्थान जुड़ जाएंगे और यात्रियों को आसानी हो जाएगी।

**उज्जैन से दिल्ली तक ट्रेन संचालन की भी डिमांड**

दिल्ली से उज्जैन तक ट्रेन के संचालन की भी काफी डिमांड है। दरअसल ज्यादा ट्रेन इंदौर से दिल्ली के लिए जाती है। उज्जैन में काफी कम समय के लिए ट्रेन का स्टापेज होता है। महाकाल लोक बनने के बाद दिल्ली से काफी यात्री उज्जैन के लिए आते है। इस कारण दिल्ली से सीधे उज्जैन की ट्रेन की डिमांड की है। रेल विभाग ने इंदौर को जो पहली वंदेभारत ट्रेन की सौगत दी है। वह भी उज्जैन में पांच मिनट के लिए रुकती है। यह ट्रेन भोपाल होते हुए नागपुर तक जाती है।

**20 वर्गमीटर क्षेत्र में तीन शटर लगाकर दुकानों का निर्माण कार्य किया जा रहा था विकास प्राधिकरण की टीम ने अवैध निर्माण को किया सील**

**सहारनपुर**, विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष आशीष कुमार ने बताया कि अवैध निर्माण कार्यों के विरुद्ध चल रही कार्रवाई जारी रही। प्राधिकरण की टीम ने आज एक अवैध निर्माण को सील किया है।

उन्होंने बताया कि दाबकी रोड पर अवैध रूप से 20 वर्गमीटर क्षेत्र में तीन शटर लगाकर दुकानों का निर्माण कार्य किया जा रहा था। इस दौरान सहायक अभियंता सार्थक शर्मा, अवर अभियंता

रोहित कुमार आदि मौजूद रहे।

**दूसरे परीक्षार्थियों के लिए दे रहे थे परीक्षा, नकाब-मास्क हटा तो खुली पोल**

# नाबालिग छात्र-छात्रा, प्राइवेट स्कूल की टीचर समेत पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज

**सिटी चीफ इंदौर।**

इंदौर में एमपी बोर्ड 10वीं की 'रुक जाना नहीं योजना' के एक्जाम के दौरान छात्र-छात्रा की जगह दूसरे स्टूडेंट से परीक्षा दिलाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शुक्रवार देर रात पांच लोगों पर केस दर्ज कर लिया। इसमें एक नाबालिग छात्रा, एक नाबालिग छात्र के अलावा प्राइवेट स्कूल की एक टीचर समेत पांच लोग हैं। घटना शारदा कन्या हायर सेकंडरी स्कूल बड़ा गणपति क्षेत्र की है। माध्यमिक शिक्षा मंडल 10वीं-12वीं में फेल हो चुके छात्र-छात्राओं को पास होने के लिए एक अतिरिक्त मौका रुक जाना नहीं योजना के तहत देता है। इसी के एग्जाम चल रही है। शुक्रवार को 10वीं विज्ञान का पेपर था। परीक्षा केंद्र शारदा कन्या में गर्मी की वजह से एक छात्रा ने अपना नकाब हटाया। तभी पर्यवेक्षक (पेपर कराने वाले टीचर) को शक हुआ। इस पर साइन कराने और फोटो मिलाने के बहाने फर्जीवाड़ा सामने आ गया। एक अन्य छात्र ने मास्क लगा रखा था, वो भी पकड़ा गया।

**खजराना क्षेत्र के निजी स्कूल में पढ़ाती है मुख्य आरोपी**

स्कूल प्राचार्य सीमा जैन शिकायत पर पुलिस ने खजराना की प्राइवेट महिला टीचर जैनब, उसका पति मुस्तफा शेख, एग्जाम देने आए नाबालिग छात्र का भाई जुनैद खान, दूसरे की जगह परीक्षा देने बैठी नाबालिग छात्रा और नाबालिग छात्र पर केस दर्ज किया गया है। जिस प्राइवेट टीचर को मुख्य आरोपी बनाया है, वह खजराना क्षेत्र में प्राइवेट स्कूल में पढ़ाती है। पुलिस ने बताया पांचों आरोपियों द्वारा षडयंत्रपूर्वक एक्जाम फॉर्म भरने वाले स्टूडेंट की जगह दूसरे लड़के-लड़कियों से परीक्षा दिलवाकर नियमों का उल्लंघन किया गया। धोखाधड़ी, षड़यंत्र और मध्य प्रदेश मान्यता प्राप्त परीक्षा अधिनियम 1937 का केस दर्ज किया है।

**10वीं में फेल हुए स्टूडेंट्स का विज्ञान का पेपर था**

माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं-12वीं की परीक्षा में फेल हुए स्टूडेंट्स के लिए ह्यरुक जाना नहीं योजनाह्न में 20 मई से परीक्षा आयोजित की जा रही थी। शुक्रवार को परीक्षा केंद्र शारदा कन्या उमावि में 10वीं में फेल हुए स्टूडेंट्स का विज्ञान का पेपर था। परीक्षा दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक चली। इसी दौरान फर्जी परीक्षार्थी पकड़े गए। यहां पता चला कि एक छात्रा नकाब और एक छात्र मास्क लगाकर एक्जाम दे रहा है। इस बीच गर्मी लगने पर उस छात्रा ने नकाब हटाकर पसीना पोंछने की कोशिश की तो चेहरा देखकर पर्यवेक्षक को शक हुआ। उसने फोटो से छात्रा का मिलान किया। फिर साइन करवाकर दोबारा तस्दीक की तो कन्फर्म हो गया कि ये फर्जी छात्रा है। लेकिन हंगामा न हो इसलिए बीच एक्जाम में छात्रा को रोका नहीं और उसे एक्जाम देने दी गई। इसी तरह एक अन्य छात्र ने भी मास्क हटाया तो वह भी इसी तरह ट्रेस हो गया। एक्जाम के बाद शुक्रवार शाम को प्रिंसिपल ने मल्हारगंज थाने पहुंच रिपोर्ट दर्ज करवा दी है। इसमें टीचिंग स्टाफ समेत 5 लोग शामिल हैं।

**फोटो से मिलान करने पर पता चली असलियत**

जब एक्जाम के लिए अटेंडेंस होती है तो स्टूडेंट्स की साइन कराते हैं। जब पहली छात्रा पर शक हो गया तो अटेंडेंस के बहाने उसकी साइन ली गई। तब फोटो से मिलान किया तो पता चला कि ये वो छात्रा नहीं है, जिसने फार्म भरा है। पूछताछ में छात्रा ने बता दिया कि उसे सर और मैडम लेकर आए हैं। इसी तरह मास्क लगाकर एक्जाम देने वाला छात्र भी पकड़ा गया है। बच्चों को एक्जाम दिलाने लाने वाले सर-मैडम और एक अन्य साथी सहित 5 लोगों पर केस दर्ज करवाया है। ये कौन लोग है जो इस तरह एक्जाम दिलवा रहे थे, हमें नहीं पता।

**जिले में एक्जाम के लिए बनाए 20 सेंटर**

रुक जाना नहीं योजना के तहत 20 मई से एक्जाम शुरू हुई है जो 6-7 जून तक चलेगी। हमारा सिर्फ 10वीं का सेंटर है और यहां एग्जाम 30 मई को संपन्न हो जाएगी। बाकी जगह चलती रहेगी। हमने फजीर्वाड़े के मामले में विधिवत कार्रवाई कर दी है।

# भीषण गर्मी से राहत दिलाने नगर निगम कर रहा मार्गों पर पानी का छिड़काव

**सिटी चीफ भोपाल।**

भीषण गर्मी के बीच लोगों को राहत देने के लिए नगर निगम ने शहर के मार्गों पर वाटर फागिंग की शुरुआत कर दी है। इसके तहत शहर के न्यू मार्केट, कोलार, पिपलानी, नर्मदापुरम रोड, नादिरा बस स्टैंड, डीआइजी बंगला चौराहा, बैरागढ़ सहित अन्य क्षेत्रों में वाटर फागर मशीनों से फागिंग कराई जा रही है। सिग्नलों पर अधिक फोकस किया जा रहा है, ताकि लाल बत्ती होने पर वाहन चालकों को खड़े होने में दिक्कत न हो। इसका एक फायदा यह भी हो रहा है कि वाहन चालकों को सड़कों पर उड़ने वाली धूल से भी निजात मिल रही है।

गौरतलब है कि नगर निगम के पास चार वाटर फागर मशीनें हैं, जो पानी का छिड़काव कर वाहन चालकों को गर्मी से निजात दिलाने के साथ प्रदूषण को कंट्रोल कर रही हैं। निगमायुक्त हरेंद्र नारायन ने बताया कि शहर के चौराहों पर मोबाइल फागिंग मशीन का उपयोग कर गर्मी से राहत दिलाई जा रही है। वर्तमान में गर्मी के तेवर लगातार तीखे होते जा रहे हैं। जिसके चलते राहगीरों को कुछ राहत पहुंचाने के लिए इस तरह का प्रयास किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा चार वाटर फागर मशीनों से छिड़काव कराया जा रहा है। इनका उपयोग बड़े चौराहों और व्यस्ततम क्षेत्र में किया जा रहा है। जहां शहरवासियों और चौराहों पर खड़े होने वाले वाहन चालकों को भीषण गर्मी से निजात दिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इन फागिंग मशीनों से पानी फुहार छोड़ी जाएगी।

# सकल जैन समाज ने की मुनि विनम्र सागर की भव्य अगवानी, शोभा यात्रा निकली

**सिटी चीफ भोपाल।**

आचार्यश्री विद्यासागर महाराज, आचार्य समय सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री विनम्र सागर महाराज एवं मुनि निश्वार्थ सागर, मुनि निसर्ग सागर, छुल्लक हीरक सागर का शनिवार को शहर में आगमन हुआ। इस मौके पर सकल जैन समाज के श्रद्धालुओं ने उनकी भव्य अगवानी की। साथ ही अयोध्या नगर बायपास से शोभायात्रा निकली जो विभिन्न मार्गों से होते हुए अहिंसा विहार जिनालय पहुंची। यहां रविवार यानी आज से कल्प द्रुम महामंडल विधान शुरू हुआ, जिसमें भव्य 24 समवशरण की रचना होगी। आयोजन समिति के प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया जिनालय में शोभायात्रा के पहुंचने के बाद अनुष्ठान के प्रमुख पात्रों का चयन हुआ। इस

अवसर पर मुनि विनम्र सागर महाराज ने कहा कि राजधानी में भव्य सहस्त्रापुर जिनालय बनने वाला है। इसके लिए संपूर्ण जैन समाज तन-मन-धन से समर्पित होकर योगदान दे। उन्होंने कहा जिनालय भारतीय संस्कृति और संस्कारों की बुनियाद हैं, जो आने वाली पीढ़ी तक हमारी संस्कृति को अक्षुण्ण रखते हुए देश के भविष्य का निर्माण करते हैं।

इस अवसर पर पंचायत कमेटी ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज जैन बांगा, अहिंसा विहार जैन मंदिर के अध्यक्ष प्रमोद चंदेरी, संदीप जैन, नीलेश जैन, विनीत जैन, भेल

# कांग्रेस को वोटों की गिनती में गड़बड़ी की आशंका

## पार्टी ने तैयार किए मास्टर ट्रेनर, काउंटिंग एजेंट को दी ट्रेनिंग

**सिटी चीफ भोपाल।**

भोपाल। चार जून को होने वाली लोकसभा चुनाव की मतगणना के लिए सभी सियासी पार्टियां अपनी खास तैयारियां करने में जुट गई हैं। बीजेपी और कांग्रेस ने इस खास मौके के लिए वार रूम को चाक-चौबंद करना शुरू कर दिया है। प्रदेश भर की मतगणना स्थिति पर निगरानी रखने के लिए तकनीकी साधन जुटा लिए गए हैं। इन पार्टियों के आला नेता भी हर गतिविधि और मतगणना प्रक्रिया पर सतत नजर रखने के लिए वार रूम पर मौजूद रहने वाले हैं। लोकसभा चुनावों की मतगणना के दौरान वोटों की गिनती में गड़बड़ी की आशंका को देखते हुए कांग्रेस ने काउंटिंग एजेंटों की ट्रेनिंग के लिए मास्टर ट्रेनर तैयार किये हैं। इसमें लगभग 100 मास्टर ट्रेनर्स को मतगणना एक्सपर्ट द्वारा ट्रेनिंग दी गई। कांग्रेस मुख्यालय, भोपाल में शनिवार को मतगणना प्रशिक्षण दिया गया। मध्यप्रदेश के 27 लोकसभा क्षेत्रों के कांग्रेस प्रत्याशियों द्वारा भेजे गए प्रतिनिधियों को प्रदेश कांग्रेस के चुनाव आयोग कार्य प्रभारी जेपी धनोपिया ने ट्रेनिंग दी। धनोपिया ने कहा कि आगामी चार जून 2024 को लोकसभा चुनाव की मतगणना होना नियत है। कांग्रेस प्रत्याशियों को मतगणना के दौरान मतगणना अभिकता4ओं के समक्ष आने वाली समस्याओं और उनसे निपटने के लिए कार्यशाला में उन्हें प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र से 3 से 4 अभिकर्ता उपस्थित हुए, जिन्हें मतगणना से संबंधित विस्तृत, तकनीकी एवं सामान्य जानकारियों सहित फार्म 17 सी की पूर्ण जानकारी से भी अवगत कराया गया। ताकि लोकसभा चुनाव की मतगणना का कार्य सफलता के साथ सम्पन्न कराया जा सके। कार्यशाला में आए प्रतिनिधि अपने-अपने लोकसभा क्षेत्र में पहुंचकर मतगणना कार्य में शामिल होने वाले अभिकता4ओं को सतर्कता से मतगणना कार्य कराने संबंधी संपूर्ण जानकारी से अवगत कराएंगे।

**कैसे पोस्टल बैलेट की गिनती होगी, कैसे ईवीएम का रखरखाव**

धनोपिया ने कहा कि मतगणना के दौरान काउंटिंग में गड़बड़ी की आशंका को देखते हुए काउंटिंग एजेंटों की ट्रेनिंग के लिए मास्टर ट्रेनर तैयार किये गये हैं, जिसमें लगभग 100 मास्टर ट्रेनर्स को मतगणना एक्सपर्ट द्वारा ट्रेनिंग दी गई है। इस दौरान यह भी जानकारी दी गई कि 85 साल से ऊपर के मतदाताओं द्वारा हुये मतदान को कैसे देखा जायेगा, कैसे पोस्टल बैलेट की गिनती होगी, कैसे ईवीएम का रखरखाव होगा और कैसे ईवीएम की गणना होगी, कैसे पर्चियों की गिनती होगी सहित अन्य जानकारियों से ट्रेनिंग के दौरान अवगत कराया गया।

**बारीकी से निगरानी और कई तकनीकी बिंदु बताए**

मप्र कांग्रेस के महामंत्री और प्रशासन प्रभारी संजय कामले ने कहा कि मतगणना के संबंध में बारीकी से निगरानी और मतों की जांच और कई तकनीकी बिंदुओं पर प्रशिक्षण दिया गया, जो मास्टर ट्रेनर यहां से प्रशिक्षण लेकर गये हैं, वे संबंधित लोकसभा क्षेत्र में मतगणना कार्य में शामिल होने वाले अभिकता4ओं को मतगणना कार्य की बारीकियों एवं भ्रांतियों से अवगत करायेंगे। एक दिवसीय कार्यशाला को मप्र कांग्रेस भूतपूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव, एडवोकेट संजय गुप्ता, मप्र कांग्रेस वारूम के ललित सेन एवं साबिर खान सतना द्वारा भी संबोधित किया गया।

**भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा समेत चुनाव प्रभारी कंट्रोल रूम में रहेंगे मौजूद**

भाजपा मतगणना वाले दिन पार्टी के कंट्रोल रूम से सभी सीटों पर नजर रखेगी। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा समेत चुनाव प्रभारी कंट्रोल रूम में मौजूद रहेंगे। बताया जा रहा है कि भाजपा मतगणना के लिए सभी जिलों में मास्टर ट्रेनर्स तैनात करेगी। जिन्हें विशेष ट्रेनिंग भी दी जाएगी। की गई तैयारियों में यह भी तय किया गया है कि हर जिले में मतगणना प्रभारी भी तैनात किए जाएंगे। उधर, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कार्यकर्ताओं को पत्र लिखा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मतगणना के दिन सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। पटवारी ने कार्यकर्ताओं को मतगणना के दिन सुबह सात बजे से स्ट्रांग रूम में रहने के निर्देश भी इस पत्र में दिए हैं।

## सारिका घारू ने बताया नौतपा का विज्ञान, कहा- रोहणी को समझे घड़ी का कांटा, पूरी पृथ्वी में गर्मी से नहीं है इसका नाता

# नक्षत्र नहीं सूरज की सीधी किरणें लाती है गर्मी

**सिटी चीफ भोपाल।**

भोपाल। जिस तरह घड़ी का कांटा सुबह ,दोपहर और शाम होने का अहसास कराता है ठीक उसी प्रकार नक्षत्रों की आकाशीय घड़ी में जब सूर्य रोहणी के सामने आता है तो वह मध्यभारत मे तीक्ष्ण गर्मी का समय होता है रोहणी नक्षत्र का पूरी पृथ्वी के तापमान से कोई संबंध नहीं होता है। यह बात नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू कही । इसमें सारिका घारू ने बताया कि जब सूर्य की परिक्रमा करते हुए 365 दिन बाद पृथ्वी उस स्थिति में आ जाती है जबकि सूर्य के पीछे वृषभ तारामंडल का स्टार रोहिणी आ जाता है तो इससे पहले नौ दिन नौतपा कहलाते हैं । सारिका ने बताया कि वर्तमान पीढ़ी के लिए हर साल 25 मई को सूर्य के पीछे रोहिणी तारा आ जाता है ।सूर्य के पीछे रोहिणी तारा आने की यह घटना सन 1000 में 11 मई को हुआ करती थी संभवतः 1000 साल पहले इस अवधि में भारत के मध्य

भारत में गर्मी होने से इसे नौतपा नाम दिया गया । वर्तमान मे यह घटना 25 मई को आरंभ होने लगी।

**क्या रोहिणी तारा का है गर्मी से संबंध**

सारिका ने बताया पृथ्वी के किसी भाग पर गर्मी वहां पड़ रही सूरज की सीधी किरणों के कारण होती है गर्मी में नक्षत्र की भूमिका रहती तो मकर रेखा में स्थित देशों में इस समय दिन का तापमान कम क्यों रहता । इस समय आस्ट्रेलिया में दिन का तापमान 18 डिग्री सेल्सियस वहीं मालदीप में 32 डिग्री के आसपास है रोहणी ,पृथ्वी से 65 लाईट इयर दूर है वो केवल किसी एक दो देश के तापमान बढ़ाने का काम क्यों करेगा। सूरज का रोहणी में आना केवल उस समय को एक घड़ी की तरह बताता है जब मध्य भारत में गर्मी पड़ती है। इसलिए रोहणी को समझे घड़ी का कांटा पूरे पृथ्वी से गर्मी से नहीं है इसका नाता।

## डम्पर की जोरदार टक्कर से ट्रैक्टर- ट्राली के परखच्चे उडे

# ट्रैक्टर सवार कई लोग हुए घायल

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ । सहारनपुर**

सहारनपुर जनपद के तल्हेडी बुजुर्ग गांव में सरसीना के निकट हाईवे पर एक अनियंत्रित डम्पर की टक्कर लगने से ट्रैक्टर-ट्राली हाईवे के बीचो बीच पलट गई। जिसमें सवार तीन बच्चों सहित छः लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुज पुत्र महिपाल उम्र करीब 28 वर्ष निवासी सिक्का जनपद शामली अपने परिवारजनों के साथ ट्रैक्टर-ट्राली में सवार होकर नागल थाना क्षेत्र के गांव कोटा में जा रहे थे। जैसे ही वह तल्हेडी बुजुर्ग क्षेत्र से निकलकर राधा स्वामी सत्संग व्यास के सामने पहुंचे तो पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डम्पर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ट्रैक्टर-ट्राली हाईवे के बीचो-बीच पलट गई। जिससे उसमें सवार सभी लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। सड़क पर हुए हादसे को देखकर आसपास से गुजर रहे राहगीरों ने घटना की सूचना डायल-112 को दी और सभी घायलों को हाईवे से उठाकर सड़क के किनारे ले गए। सूचना मिलते ही नागल थाना पुलिस और डायल-112 पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे। जिन्होंने लोगों की सहायता से घायल बच्चों और लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नागल पहुंचाया। इस दौरान सीएचसी में मौजूद डॉ हरेंद्र ने बताया कि अनुज पुत्र महिपाल और गोही पुत्री विक्की उम्र 7 वर्ष गम्भीर रूप से

घायल है। जिन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है जबकि चार लोगों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। हादसे में घायल पीड़ित ने बताया कि वह शामली से गेहूं लेकर गांव कोटा अपनी रिश्तेदारी में जा रहे थे इसी बीच तेज रफ्तार डम्पर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।घटना की जानकारी मिलते ही हाईवे सुरक्षा इंचार्ज दुर्गेश शुक्ला व योगेन्द्र भी मौके पर पहुंचे और हाइड्रा की सहायता से ट्रैक्टर-ट्राली को हाईवे से उठाकर यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से चालू कराया गया। बता दें कि विगत चार दिनों से लगातार हो रहे सड़क हादसों में कई लोग हायर सेंटर रेफर किए जा चुके हैं।

## प्रदेश सरकार ने रेत नियमों में संशोधन कर लागू की नई व्यवस्था

# अवैध उत्खनन और परिवहन पर अब सीधे कार्रवाई नहीं कर पाएगी पुलिस

**सिटी चीफ भोपाल।**

मध्य प्रदेश सरकार ने रेत नियमों में संशोधन कर नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत मध्य प्रदेश राज्य खनिज निगम के माध्यम से रेत खदानों की वैधानिक स्वीकृतियां प्राप्त कर खदानों से रेत के खनन और विक्रय के लिए समूहवार माइन डेवलपर कम आपरेटर की नियुक्ति की गई है। प्रदेश के 36 जिलों में रेत खदानों का अनुबंध कर खदानों का संचालन शुरू कर दिया गया है। इसको लेकर खनिज विभाग ने जिले के कलेक्टर को निर्देश जारी किए है। निर्देश के अनुसार खनिजों के अवैध उत्खनन, भंडारण परिवहन एवं ओवरलोड परिवहन पाए जाने पर पुलिस सीधे कार्रवाई नहीं करेगी। पुलिस द्वारा इसकी सूचना अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम) को दी जाएगी। एसडीएम दी गई जानकारी के आधार पर कार्रवाई करेंगे। नए नियमों के तहत खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण पर रोकथाम के लिए नियम 23 में प्राधिकृत अधिकारियों द्वारा ही अधिकारिता के

भीतर कार्रवाई की जा सकेगी। साथ ही उनके द्वारा आवश्यक होने पर संबंधित पुलिस थाने से पुलिस सहायता की मांग की जाएगी और पुलिस अधिकारी द्वारा सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही जो अधिकारी और कर्मचारी जैसे पटवारी, सहायक उपनिरीक्षक प्राधिकृत नहीं है, उनकी सुरक्षा को देखते हुए उन्हें कार्रवाई करने का कोई अधिकार नहीं रहेगा। विभाग द्वारा अवैध उत्खनन और परिवहन रोकने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित मानव रहित चेक गेट पूरे प्रदेश में लगाए जा रहे है। प्रदेश के 40 ऐसे स्थलों को चिह्नांकित किया गया है, जहां से खनिजों का सर्वाधिक परिवहन होता है।

## कुछ नेताओं को संगठन में दी जा सकती है बड़ी जिम्मेदारी

# कांग्रेस छोड़ने वालों को पार्टी की मुख्यधारा से जोड़ेगी भाजपा

**सिटी चीफ भोपाल।**

लोकसभा चुनाव से पहले और चुनाव के दौरान कांग्रेस को पीठ दिखाने वाले दगाबाज नेताओं को अब भाजपा अपनापन देने पर विचार कर रही है। पार्टी की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए अब इन्हें हर बैठक और गतिविधि से जोड़ा जाएगा। इनमें से कुछ नेताओं को संगठन में बड़ी जिम्मेदारी भी दी जा सकती है। चुनावी नतीजे आने के बाद इस प्रक्रिया पर काम शुरू किया जाएगा। लेकिन प्रदेश की इस सियासी गतिविधि पर पूरी तरह केंद्रीय नेतृत्व का फैसला ही काम करेगा।

लोकसभा चुनाव के दौरान तेजी से चले घटनाक्रम में बड़ी तादाद में कांग्रेस की टूट के हालात बने थे। भाजपा और कांग्रेस इस पलायन को लेकर अलग अलग आंकड़े पेश करते रहे हैं। लेकिन पलायन के बाद नई पार्टी और नए लोगों के साथ जा बैठे पुराने पूर्व कांग्रेसियों को अब अपने वजूद पर संकट नजर आने लगा है। भाजपा नेतृत्व ने नई आमद की इसी बेचैनी को भांपते हुए नई रणनीति बनाई है। इसके तहत अब कांग्रेस से आए नेताओं को भाजपा की मुख्यधारा से जोड़ने की तैयारी की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि पार्टी ने जिला और मंडल अध्यक्षों को इस बारे में निर्देश दे दिए हैं। इन्हें कहा गया है कि नई आमद को हर बैठक और पार्टी गतिविधियों के बारे में जानकारी देने के लिए कहा गया है।

**मिलेगी नई भूमिका**

कांग्रेस से पलायन करके भाजपा में आए कई नेता अपनी पूर्व पार्टी में कद, पद, ओहदा और सम्मान रखते थे। भाजपा ने इन लोगों को उनका खोया सम्मान लौटाने की भी रणनीति बनाई

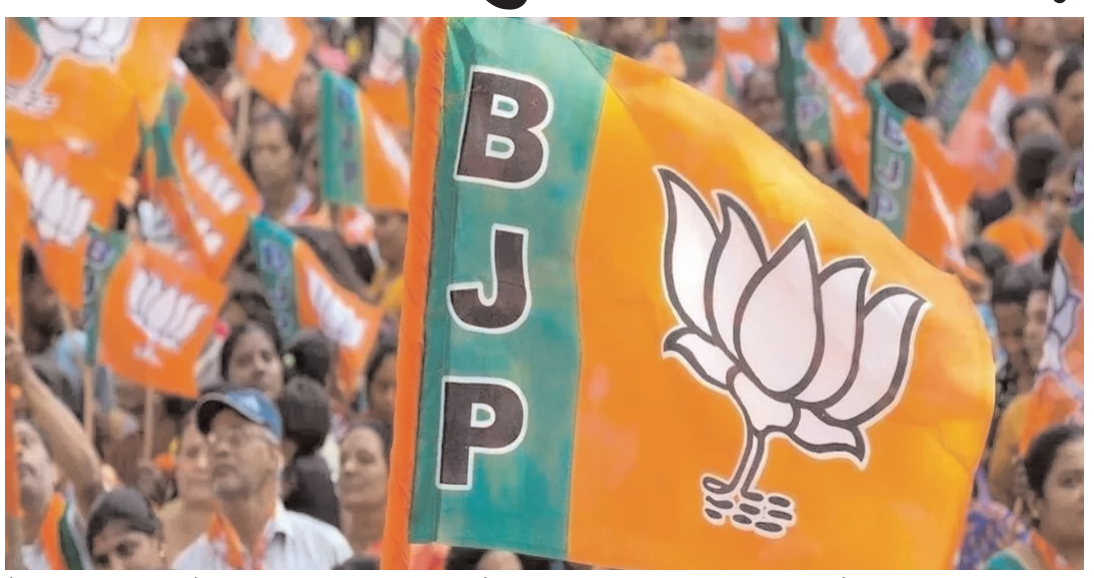


है। तय किया गया है कि ऐसे सभी नेताओं को उनके सामर्थ्य और कार्यशक्ति के लिहाज से भूमिका दी जाएगी। सूत्र बताते हैं कि इस पूरे मामले में केंद्रीय नेतृत्व की सलाह पर ही काम किया जाएगा। इससे पहले इस बात पर भी सहमति बन चुकी है कि कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए विधायकों को प्रदेश मंत्रिमंडल में जगह दी जाएगी। ऐसे विधायकों की गिनती करीब चार के आसपास है।

**पहले सिंधिया को नवाज चुकी भाजपा**

गोरतलब है कि इससे पहले कांग्रेस के हाथ से सरकार खींच ले जाने के अगुआ बने ज्योतिरादित्य सिंधिया को भाजपा पद और कद से नवाज चुकी है। भाजपा ने उन्हें राज्यसभा के रास्ते केंद्र सरकार का सदस्य भी बनाया और इस सरकार में महत्वपूर्ण विभाग का मंत्री भी बनाया गया। इस लोकसभा चुनाव में सिंधिया को मैदान दिया है। उम्मीद की जा रही है कि इस चुनाव में जीत के बाद उन्हें पहले से ज्यादा मजबूत जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

## साम्पदकीय

### वेदव्यास ने कीड़े को बनाया ऋषि, कालांतर में उनके पिता महर्षि पराशर से ग्रहण की शिक्षा

महर्षि वेदव्यास सभी जीवों की भाषा समझते थे। एक दिन वह कहीं जा रहे थे। तभी उन्होंने एक कीड़े को बड़े वेग से भागते हुए देखा। उन्होंने कीड़े को रोककर भागने का कारण पूछा, तो कीड़ा बोला, 'मुनीश्वर! एक बैलगाड़ी इसी मार्ग से आ रही है। मुझे डर है कि मैं उसके नीचे दबकर मर जाऊंगा, इसलिए भाग रहा हूं।' यह सुनकर व्यास हंसे और बोले, 'तुम्हारे लिए तो मर जाना ही अच्छा है, क्योंकि तुम्हें इस तिर्यक योनि से मुक्ति मिल जाएगी। यदि मनुष्य को मृत्यु से भय लगे, तो समझ में भी आता है, किंतु तुम्हें कीट योनि से मुक्त होने का भय क्यों है?' इस पर कीड़े ने उत्तर दिया, 'महर्षि, मुझे मृत्यु का नहीं, अपितु इस बात का भय है कि कीट योनि से भी अधम अनेक योनियां हैं, मैं कहीं मरकर किसी और बुरी योनि में न चला जाऊं!'

व्यास ने कहा, 'कीट! तुम भय न करो। मैं तुम्हें वचन देता हूं कि तुम्हें जब तक ब्राह्मण का शरीर प्राप्त नहीं हो जाएगा, तब तक मैं तुम्हें प्रत्येक योनि से शीघ्र छुटकारा दिलाता रहूंगा। वेदव्यास का आश्वासन सुनकर कीड़ा प्रसन्न हो गया। वह पुनः उसी मार्ग पर लौट आया और बैलगाड़ी के पहिए के नीचे दबकर अपने प्राण त्याग दिए। इसके बाद वह कीड़ा, अनेक निम्न योनियों में पैदा हुआ। हर बार वेदव्यास ने उसे पूर्वजन्म का स्मरण कराया और उन योनियों से मुक्त होने में सहायता भी की। इस तरह वह कीड़ा मरते-मरते साही, गोह, मृग, पक्षी, आदि योनियों में जन्म लेने के उपरांत मनुष्य योनि में निम्न जातियों में पैदा होते हुए क्षत्रिय जाति में भी जन्म लिया। वेदव्यास ने अपने वचनानुसार, हर योनि में उसे दर्शन दिए और उसकी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया। आखिरकार, उस कीड़े ने क्षत्रिय कुल में प्राण त्यागकर एक ब्राह्मण परिवार में जन्म लिया। वह ब्राह्मण जब थोड़ा बड़ा हुआ, तो स्वयं वेदव्यास ने उसे सारस्वत मंत्र सिखाया, जिसके प्रभाव से वह बिना अधिक प्रयास के ही वेदों और शास्त्रों का ज्ञाता हो गया। कीड़ा अब विद्वान बन चुका था। फिर वेदव्यास ने उसे लोगों को उपदेश देने और उनकी शंकाओं का समाधान करने की आज्ञा दी।

गुरु की आज्ञा से ब्राह्मण ने धर्म का उपदेश देना और शंकाओं का समाधान आरंभ कर दिया। एक बार किसी ने उससे पूछा कि पापी मनुष्य प्राय: सुखी क्यों दिखाई देते हैं? ब्राह्मण ने समझाया, 'जिन लोगों ने पूर्वजन्म में तामस भाव से दान किया है, उन्हें इस जन्म में उस दान का फल मिलता है, परंतु तामस भाव से कोई सत्कार्य करने पर भी उसे धर्म में अनुराग नहीं होता और इसी कारण पापी व्यक्ति सुखी दिखता है। ऐसा मनुष्य पुण्य-फल को भोगकर भी तामस भाव के कारण नरक में गिरता है।

इस विषय में महर्षि मार्कण्डेय ने कहा है कि मनुष्य की चार श्रेणियां हैं। एक, जिसका पूर्वजन्म का पुण्य शेष है। वह उस पुण्य का सुख पाता है, किंतु नए पुण्य नहीं करता, ऐसे मंदबुद्धि मनुष्य को मिलने वाला सुख केवल इसी लोक तक सीमित रहता है। दूसरा, जिसका पूर्वजन्म का पुण्य तो नहीं है, किंतु वह इस जन्म में नए पुण्य का उपार्जन करता है। ऐसा व्यक्ति परलोक में सुख पाता है। तीसरा, जिसका पूर्वजन्म का पुण्य वर्तमान जन्म में सुख देता है और वह नए पुण्य का उपार्जन भी करता है, जिसके कारण वह इहलोक और परलोक, दोनों जगह सुख पाता है। और चौथा वह है, जिसका पहले का कोई पुण्य शेष नहीं है और वह इस जन्म में भी कोई नूतन पुण्य का उपार्जन नहीं करता, ऐसे मनुष्य को न तो इस लोक में और न ही परलोक में कोई सुख प्राप्त होता है।% इस प्रकार एक कीट से विद्वान ब्राह्मण बने उस व्यक्ति ने धर्म का प्रचार-प्रसार करते हुए बहुत-सा पुण्य अर्जित कर लिया। फिर उसने सूर्य मंत्र का निरंतर जाप किया और बहूदक तीर्थ में अपने शरीर का भी त्याग कर दिया। वेदव्यास के उस शिष्य का लोगों ने बड़े आदर से विधिपूर्वक दाह-संस्कार किया और उसकी अस्थियां उसी तीर्थ-स्थल पर प्रवाहित कर दीं। फिर अगले जन्म में उसी ब्राह्मण ने मैत्रेय नामक प्रख्यात ऋषि के रूप में जन्म लिया। कालांतर में ऋषि मैत्रेय ने वेदव्यास के पिता महर्षि पराशर से शिक्षा प्राप्त की।

# दुनिया की सबसे चमत्कारी औद्योगिक क्रांति है रेलवे मगर आर्थिक तौर पर बनी अभिशप्त कारोबार

*1920 में सर विलियम एकवर्थ की अगुआई में एक कमीशन बना और इसकी सिफारिश पर 1924 में रेलवे के बजट को सरकार के बजट से अलग कर दिया गया। निजी रेल कंपनियों का सरकारीकरण हो गया। आजादी के बाद भारत की निजी रेलवे पूरी तरह सरकारी हो गई। 2017 में रेलवे बजट आम बजट का हिस्सा बन गया। अब फिर भारतीय रेलवे के निजीकरण की कोशिश शुरू हो रही है।*

*भारत में चुनावी चकल्लस के बीच जनता को यह पता नहीं चला कि भारतीय रेल यात्री किराये की कमाई में पिछड़ गई है। रेलवे का पैसेंजर राजस्व बीते साल में उस गति से भी नहीं बढ़ा, जिस रफ्तार से भारत की जीडीपी (महंगाई सहित यानी नॉमिनल) बढ़ी है। वंदे भारत ट्रेनों को कामयाब बनाने के लिए बीते साल किराये भी घटाए गए थे, मगर रेलवे को महंगे टिकट लेने वाले यात्री नहीं मिल रहे। दिसंबर, 2021 में भारत सरकार ने निजी ट्रेनें चलाने की योजना रोक दी थी। 30,000 करोड़ का टेंडर लौट गया। यह भारत में रेलवे के निजीकरण की पहली सबसे महत्वाकांक्षी कोशिश थी, रूट तय हो गए थे। निजी कंपनियां और सरकार के बीच कमाई के बंटवारे का फॉर्मूला बन गया, मगर कंपनियों ने भारत के सबसे बड़े ट्रांसपोर्टर यानी रेलवे में दिलचस्पी ही नहीं ली। वर्ष 2022 में सरकार ने रेलवे की संपत्तियां बेचने की कोशिश की। कोई ग्राहक नहीं आया। रेलवे के कुछ विभाग और प्रतिष्ठान बंद करने की तैयारी है, घाटा कम करने या नए संसाधन जुटाने की हर जुगत औंधे मुंह गिर पड़ी।*

*बीते एक दशक में रेलवे बजट खत्म करने से लेकर निजीकरण तक, तमाम कोशिशों के बाद भी इस महाकाय गतिमान बुनियादी ढांचे की बैसाखियां हटती ही नहीं। रेलवे के घाटे का दुख दूर ही नहीं होता। अलबत्ता भारत अकेला नहीं है। पूरी दुनिया में रेल सरकारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। निजी कंपनियों का संसार आकाश से पाताल तक फैल गया है। मगर सरकारें उन्हें रेलवे में निवेश के लिए राजी नहीं कर पातीं। रेलवे दुनिया की सबसे चमत्कारी औद्योगिक क्रांति थी, मगर यह आर्थिक तौर पर सबसे अभिशप्त कारोबार भी है। आइए, टाइम मशीन में विराजिए। चलते हैं करीब 200 साल पीछे रेलवे के चमत्कारी दिनों में... आपको अपनी सीट पर एक उपन्यास रखा मिला होगा। जब तक हम उड़ान भरते हैं, आप इसका आनंद लीजिए।*

*1920 में सर विलियम एकवर्थ की अगुआई में एक कमीशन बना और इसकी सिफारिश पर 1924 में रेलवे के बजट को सरकार के बजट से अलग कर दिया गया। निजी रेल कंपनियों का सरकारीकरण हो गया। आजादी के बाद भारत की निजी रेलवे पूरी तरह सरकारी हो गई। 2017 में रेलवे बजट आम बजट का हिस्सा बन गया। अब फिर भारतीय रेलवे के निजीकरण की कोशिश शुरू हो रही है।*

*भारत में चुनावी चकल्लस के बीच जनता को यह पता नहीं चला कि भारतीय रेल यात्री किराये की कमाई में पिछड़ गई है। रेलवे का पैसेंजर राजस्व बीते साल में उस गति से भी नहीं बढ़ा, जिस रफ्तार से भारत की जीडीपी (महंगाई सहित यानी नॉमिनल) बढ़ी है। वंदे भारत ट्रेनों को कामयाब बनाने के लिए बीते साल किराये भी घटाए गए थे, मगर रेलवे को महंगे टिकट लेने वाले यात्री नहीं मिल रहे। दिसंबर, 2021 में भारत सरकार ने निजी ट्रेनें चलाने की योजना रोक दी थी। 30,000 करोड़ का टेंडर लौट गया। यह भारत में रेलवे के निजीकरण की पहली सबसे महत्वाकांक्षी कोशिश थी, रूट तय हो गए थे। निजी कंपनियां और सरकार के बीच कमाई के बंटवारे का फॉर्मूला बन गया, मगर कंपनियों ने भारत के सबसे बड़े ट्रांसपोर्टर यानी रेलवे में दिलचस्पी ही नहीं ली। वर्ष 2022 में सरकार ने रेलवे की संपत्तियां बेचने की कोशिश की। कोई ग्राहक नहीं आया। रेलवे के कुछ विभाग और प्रतिष्ठान बंद करने की तैयारी है, घाटा कम करने या नए संसाधन जुटाने की हर जुगत औंधे मुंह गिर पड़ी।*

*बीते एक दशक में रेलवे बजट खत्म करने से लेकर निजीकरण तक, तमाम कोशिशों के बाद भी इस महाकाय गतिमान बुनियादी ढांचे की बैसाखियां हटती ही नहीं। रेलवे के घाटे का दुख दूर ही नहीं होता। अलबत्ता भारत अकेला नहीं है। पूरी दुनिया में रेल सरकारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। निजी कंपनियों का संसार आकाश से पाताल तक फैल गया है। मगर सरकारें उन्हें रेलवे में निवेश के लिए राजी नहीं कर पातीं। रेलवे दुनिया की सबसे चमत्कारी औद्योगिक क्रांति थी, मगर यह आर्थिक तौर पर सबसे अभिशप्त कारोबार भी है। आइए, टाइम मशीन में विराजिए। चलते हैं करीब 200 साल पीछे रेलवे के चमत्कारी दिनों में... आपको अपनी सीट पर एक उपन्यास रखा मिला होगा। जब तक हम उड़ान भरते हैं, आप इसका आनंद लीजिए।*

*स्कॉटिश कवि और व्यंग्यकार डब्ल्यू. ई. आइटन का यह व्यंग्य उपन्यास 1845 में आया था। इसका शीर्षक है-हाउ वी गॉट अप द ग्लेनमचकिन रेलवे? हम यूरोपीय इतिहास के जिस युग में जा रहे हैं, वह रेलवे बबल यानी रेलवे में भारी निवेश और नुकसान का दौर है। यह उपन्यास उस वक्त का प्रतिनिधि दस्तावेज माना जाता है। यह भीड़ देख रहे हैं। यह दुनिया के इतिहास के सबसे अनोखे मोड़ का गवाह बन रही है। यह 1830 है। ब्रिटेन में मैनचेस्टर और लिवरपूल के बीच यात्री ट्रेन चलाई जा रही है। इस ट्रेन के आने से पहले तक लोग घोड़ों वाली बग्घी पर यात्रा करते थे। पहली यात्री रेल खूब कामयाब हुई। उद्योगपतियों ने रेलवे में पूंजी झोंकनी शुरू कर दी है। ब्रिटेन की सरकार ने एक साथ 3,000 से अधिक रेल लाइनों को मंजूरी दे दी है। ब्रिटेन की आर्थिक हवा रेल क्रांति के किस्सों से महक रही है। निजी कंपनियां और बैंक रेलवे में निवेश का कोई मौका नहीं चूकना चाहते। आप 21वीं सदी से आए हैं, तो आपको उस तरह के अंधे निवेश में खतरों का एहसास है, मगर ब्रिटेन के लोग तो रेलवे में निवेश के दीवाने हैं। इस दीवानगी को देखते हुए हम 1900 में आ गए हैं। आपको 21वीं सदी वाली दुनिया का एहसास हो रहा होगा। एकाउंटिंग फ्रॉड, पोंजी स्कीमें, झूठे प्रचार, भ्रष्टाचार, वही सब जो इस तरह के निवेश में होता है। इन सुर्खियों को ध्यान से पढ़िए- ब्रिटेन और अमेरिका की रेल कंपनियां दिवालिया हुईं। बैंक डूबे। असंख्य कंपनियों में निवेशकों की 90 फीसदी पूंजी स्वाहा हो गई। इस चिल्ल-पों के बीच प्रख्यात वैज्ञानिक चार्ल्स डार्विन का नाम आपके कानों तक आया होगा। रेलवे कंपनियां उनकी पूंजी भी ले डूबी हैं। इस रेलवे संकट में ब्रिटेन के साहित्य जगत की प्रख्यात तीन बहनों-द ब्रांटे सिस्टर्स को भी भारी चपत लगी है। मगर इस संकट के बावजूद रेलवे का आविष्कार दुनिया के काम आया। यह परिवहन का नया जरिया बन गया। सरकारी मदद से रेल क्रांति शुरू हो गई थी। 1870 तक ब्रिटेन में करीब 6000 किलोमीटर रेल लाइन बिछाई जा चुकी थी। अमेरिका में रेल-रोड तेजी से फैलने लगा। पहले विश्वयुद्ध की तोपें गरजने तक रेलवे एक प्रमुख रणनीतिक ताकत बन गई। अब हम भारत पहुंच रहे हैं। दौर तो रेलवे क्रांति का ही है। पहले विश्वयुद्ध की भूमिका बनने तक ब्रिटेन की पूंजी रेल के जरिये ब्रिटिश राज के उपनिवेशों में पहुंचने लगी है। रेलवे ब्रिटिश राज का सबसे बड़ा विदेशी निवेश बन गया है। 1914 तक ब्रिटिश रेलवे निवेश का 40 फीसदी हिस्सा अमेरिका में था। अब भारत में भी रेल पटरियों की खटर-पटर प्रारंभ हो रही है। ब्रिटेन की कंपनियों ने रेलवे में निवेश शुरू कर दिया है। यह 1853 का मुंबई है, थाणे तक 20 किलोमीटर के रास्ते पर पहली रेल चल पड़ी है। भारत जब आजाद होगा, तो यहां 24,000 किलोमीटर का रेल नेटवर्क तैयार होगा। हम तो 1850 में हैं, सो रेलवे की भारतीय क्रांति को करीब से देखते हैं। भारत में रेलवे नेटवर्क की स्थापना के पीछे है निजीकरण का एक जटिल ताना-बाना। 1850 के बाद भारत में दस निजी रेल कंपनियां थीं, जो पूर्वी भारत, पूर्वी बंगाल, बाम्बे, बड़ौदा, सेंट्रल इंडिया, इंडियन पेनेनसुएला, सिंध, पंजाब, दिल्ली, मद्रास, दक्षिण भारत, अवध और रुहलेखंड के रेलवे नेटवर्क संभालती थीं। इनमें ब्रिटिश पूंजी लगी है। ब्रिटिश राज और भारत की ब्रितानी सरकार ने इन कंपनियों को मुफ्त जमीन और निवेश पर पांच फीसदी रिटर्न की गारंटी दी है। यह 21वीं सदी के सड़क विकास के बीओटी मॉडल का पूर्वज जैसा महसूस होगा। अलबत्ता 1870 आने तक बात बिगड़ने लगी। ब्रिटिश राज गलियारों में इस वक्त यह चर्चा तेज है कि लंदन में सेक्रेटरी ऑफ इंडिया और भारत की बर्तानवी सरकार के बीच रेलवे के प्रबंधन को लेकर गहरे मतभेद उभर आए हैं। कंपनियां गारंटीड रिटर्न नहीं दे पा रही थीं। ब्रिटिश सरकार का आर्थिक हाल बुरा होने लगा है। नतीजतन रेल कंपनियों का सरकारीकरण शुरू हो रहा है। भारत की ब्रिटिश सरकार कंपनियों में हिस्सेदारी लेने लगी। भारत में सफर करते हुए आप पहले विश्वयुद्ध और भारत में रेलवे को लेकर निजी कंपनियों व सरकार के बीच जंग की खबरें सुन रहे हैं। झगड़ा इस कदर बढ़ा है कि 1920 में सर विलियम एकवर्थ की अगुआई में एक कमीशन बना और इसकी सिफारिश पर 1924 में रेल बजट को सरकारी बजट से अलग कर दिया गया। निजी रेल कंपनियों का सरकारीकरण हो गया। आजादी के बाद भारत की निजी रेलवे सरकारी हो गई। 2017 में रेल बजट आम बजट का हिस्सा बन गया। अब फिर भारतीय रेल के निजीकरण की कोशिश शुरू हो रही है।*

*टाइम मशीन का सफर अब पूरा होने के करीब है। स्क्रीन पर तैरती सुर्खियों से गुजरते हुए आपको पता चलेगा कि रेलवे का घाटा पूरी दुनिया के लिए मुसीबत है। निजीकरण को लेकर दुनिया के तजुर्बे अच्छे नहीं हैं। 20वीं सदी में रेलवे का इतिहास दिवालियापन और निजी कंपनियों को नुकसान का है।*

*यही वजह है कि 21वीं सदी का सूरज उगने तक दुनिया के सभी देशों में रेलवे का पूरी तरह या आंशिक राष्ट्रीयकरण हो गया था। रेल निजी कंपनियों को रास नहीं आती। यह अभिशाप बीते सौ बरस से रेलवे का पीछा नहीं छोड़ रहा। निजीकरण की कोशिशें बार-बार औंधे मुंह ढेर हो जाती हैं। अब टाइम मशीन दिल्ली के रेल भवन के सामने उतर रही है। अब तो अगली सरकार ही बताएगी कि रेलवे के घाटे का दुख कैसे दूर होगा।*

## मस्तक पर सूर्य, गले में मखाने और तुलसी की माला पहनाकर किया बाबा महाकाल का श्रृंगार

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि पर रविवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर से बने पंचामृत और फलों के रस से किया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को नवीन मुकुट मुंड माला धारण करवाई गई।

आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि तृतीया तिथि और रविवार के संयोग पर भस्मआरती में बाबा महाकाल का एक अलग ही स्वरूप देखने को मिला, बाबा महाकाल के मस्तक पर सूर्य, गले में मखाने, मोगरे और तुलसी की माला धारण कर उनका श्रृंगार किया गया। कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई और भोग भी लगाया गया। महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

आज होगा सीपीआर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

श्री महाकाल महालोक में स्थित मानसरोवर भवन में 10 बेड के चिकित्सालय का संचालन किया जाता है। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा डॉ. विजय गर्ग (फिजिशियन एवं हृदयरोग विशेषज्ञ) प्रोफेसर, आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज के नेतृत्व में प्राथमिक चिकित्सा ईकाई श्री महाकाल लोक स्थित मानसरोवर भवन, प्रथम तल प्रोटोकॉल ऑफिस के समीप में सीपीआर ट्रेनिंग और डेमोस्ट्रेशन के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन आज रविवार सुबह 10 से शाम 7 बजे तक किया जाएगा। डॉ. गर्ग द्वारा मंदिर-के पुजारी-पुरोहित, मंदिर कर्मचारी, आउटसौर्स कर्मचारी और ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों को सीपीआर ट्रेनिंग और डेमोस्ट्रेशन दिया जाएगा।

# सातवें चरण की ओर बढ़ रहा चुनाव, जातिगत भेदभाव और असमानता के बीच यथास्थिति बहाल रखने की लड़ाई

बहुत सी ऐसी चीजें हैं, जिन्हें हम देखते तो हैं, पर उस पर ध्यान नहीं देते। कुछ चीजें हमें अचरज में डालती हैं, लेकिन हम उसे नजरअंदाज कर देते हैं। यही हम अधिकांश भारतीय लोगों की वास्तविकता है, जिसमें बड़ी संख्या में गरीब, पूर्वाग्रह और भेदभाव से लड़ने वाले वे लोग हैं, जो परस्पर विरोधी भावनाओं से प्रेरित हैं। आप कभी आधी रात के करीब कोलकाता के सेंट्रल एवेन्यू पर ड्राइव करें। क्या आपने कभी उस ओर ध्यान दिया है कि जो लोग सड़क के किनारे सो रहे हैं, उनके पास रात में रहने की जगह क्यों नहीं है? क्या आपने कभी किसी से यह जानने की कोशिश की है? इसी तरह दिल्ली में किसी भी चौराहे से गुजरें। बड़ी संख्या में ऐसे बच्चे मिलेंगे, जो भीख मांगते हैं या फूल, तौलिये या पायरेटेड किताबें बेचते हैं। यह दृश्य क्या आपके जेहन में यह सवाल पैदा नहीं करता कि ये बच्चे स्कूल क्यों नहीं जाते हैं? आप भारत के ऐसे सूखे इलाकों से गुजरें, जहां पानी का कोई नामोनिशान नहीं है। वहां जमीन पर कुछ भी नहीं उगता है, फिर भी वहां हजारों की संख्या में लोग रहते हैं। हमें यह जानने में शायद ही दिलचस्पी हो कि उन लोगों की आजीविका का स्रोत क्या है? कांग्रेस का 2024 का घोषणा-पत्र इस बात की पुष्टि करता है कि पिछले कई वर्षों में, खासकर पिछले तीन दशकों में भारत की अर्थव्यवस्था में वृद्धि हुई है। हालांकि चमकते भारत की यह तस्वीर उस सच को छिपा नहीं सकती है, जो हमारी विफलताओं को याद दिलाकर हमें अपनी नीति को सही करने का संदेश देता है। अर्थव्यवस्था समाज का दर्पण है

यूएनडीपी के अनुसार, भारत के शहरी क्षेत्र में हर महीने 1286 और ग्रामीण क्षेत्र में 1089 रुपये प्रतिमाह कमाने वाला व्यक्ति गरीबी रेखा के नीचे है। एक आंकड़े के मुताबिक, भारत में गरीब लोगों की संख्या करीब 22.8 करोड़ है। हालांकि यह आकलन बहुत कम है। वर्ल्ड इक्वलिटी लैब के अनुसार, निचले 50 प्रतिशत लोगों (71 करोड़) के पास राष्ट्रीय संपत्ति का 3 प्रतिशत हिस्सा है और वे राष्ट्रीय आय का 13 प्रतिशत कमाते हैं। सरकार के सकल घरेलू खर्च सर्वेक्षण (एचसीएसई) के अनुसार, निचले 50 फीसदी लोगों में शहरी क्षेत्र के लोगों ने 3094 रुपये प्रतिमाह और ग्रामीण लोगों ने 2001 रुपये प्रतिमाह खर्च किए। इसके बाद निचले 20 प्रतिशत लोगों के घरेलू खर्च का अनुमान लगाने के लिए ज्यादा गणितीय कौशल की जरूरत नहीं है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स के 125 देशों की सूची में भारत 111वें नंबर पर है। एचसीएसई के अनुसार, ओबीसी औसत स्तर पर हैं, जबकि एससी और एसटी सबसे ज्यादा गरीब हैं। इस बात में कोई आश्चर्य नहीं है कि आर्थिक स्थिति समाज में लोगों की हैसियत तय करती है। गरीब और उत्पीड़ित लोग बेहद कम मजदूरी पर कड़ी मेहनत करते हैं। करीब 15.4 करोड़ लोग मनरेगा के तहत पंजीकृत हैं और वे सक्रिय हैं। उन्हें सालभर में मात्र 50 दिनों का काम मिलता है। दूसरी तरफ ऊपर की 10 प्रतिशत आबादी राष्ट्रीय आय का 57.7 फीसदी कमाती है, जिसमें 9223 लोगों की साझेदारी का प्रतिशत 2.1 है और 92,234 लोगों की साझेदारी 4.3 प्रतिशत है। भारत में अमीरी और गरीबी का आकलन इस बात से भी किया जा सकता है कि जिन लेंबोर्गिनी कारों की कीमत प्रति कार 3.22 करोड़ रुपये से 8.89 करोड़ रुपये के बीच है, 2023 में ऐसी 103 कारें बेची गईं। इस बात को लेकर अमीर लोगों ने उस समय गर्व महसूस किया, जब महज 362 लोगों ने 757 करोड़ रुपये के इलेक्ट्रॉल बॉन्ड खरीदे और उस राशि को राजनीतिक दलों को दान में दे दिया। क्या अच्छे दिन आए? क्या भारत या भारतीय आत्मनिर्भर हो पाए? चीन, जिसके सैनिकों ने भारतीय जमीन पर कब्जा किया और जवानों की पिटाई की, उसके साथ 2023-24 में व्यापार घाटा 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था। क्या यही अमृत काल की शुरुआत है? आखिर लोगों को कब तक धोखे में रखकर झूठ बोला जाएगा।

**दो कारक** जब तक राजनीतिक दल यह स्वीकार नहीं करते कि भारतीय अर्थव्यवस्था जाति और असमानता पर आधारित है, तब तक हम गरीबी, भेदभाव और उत्पीड़न को खत्म नहीं कर सकते। कांग्रेस के घोषणा-पत्र ने भाजपा के 'विकास' वाले नैरेटिव के स्याह पक्ष की ओर लोगों का ध्यान खींचा और जनता से कुछ सरल वादे किए-

**एससी, एसटी और ओबीसी के लिए**

देशभर में सामाजिक, आर्थिक और जातीय जनगणना आयोजित करना और डेटा एकत्र करना, जो सकारात्मक कार्रवाई के एजेंडे को मजबूत करेगा।

एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा को हटाना।

एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षित पदों की सभी बैकलॉग रिक्तियों को एक साल के भीतर भरना।

**युवाओं के लिए** एक साल की अप्रेंटिसशिप और प्रति वर्ष 1,00,000 रुपये के स्टाइपेंड की गारंटी और नौकरियां प्रदान करना।

केंद्र सरकार में लगभग 30 लाख रिक्तियों को भरना।

बकाया शिक्षा ऋण और अवैतनिक ब्याज माफ करना।

**महिलाओं के लिए** महालक्ष्मी योजना शुरू करना और सबसे गरीब परिवारों को प्रति वर्ष 1,00,000 रुपये प्रदान करना।

मनरेगा कार्य के लिए न्यूनतम मजदूरी 400 रुपये प्रतिदिन तक करना।

केंद्र सरकार की नौकरियों में 50 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षित करना।

**गरीबों की ओर भी ध्यान** जब जून 2024 में नई सरकार का गठन होगा, तब उस सरकार की प्राथमिकता में 'गरीब और बहिष्कृत' होना चाहिए। कांग्रेस के घोषणा-पत्र में इस दायित्व को स्वीकार किया गया, इसलिए यह पूरे देश में 'चर्चा का विषय' बन गया। भाजपा ने अपनी अधिकांश ऊर्जा और धन शक्ति कांग्रेस के घोषणा-पत्र की निंदा करने में खर्च कर दी। जैसे-जैसे चुनाव सातवें चरणों की ओर बढ़ रहे हैं, लड़ाई यथास्थिति को बहाल रखने के लिए संकल्पित लोगों और उस स्थिति को रोकने वालों के बीच होती जा रही है। ऐसे में 4 जून तक सावधान रहने की जरूरत है।

# देवरा में रक्षक की भूमिका निभाते नजर आएंगे जूनियर एनटीआर

## अभिनेता के किरदार पर हुआ बड़ा खुलासा

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर इन दिनों बहुप्रतीक्षित फिल्मदेवरा के निर्माण में व्यस्त हैं। फिल्म को लेकर अब नई-नई जानकारियां फैंस को काफी उत्साहित कर रही हैं। हाल ही में निर्माताओं ने फिल्म का पहला गानाफियर रिलीज किया, जिसनें दर्शकों के बीच धूम मचा दिया। प्रशंसकों को यह गाना पसंद आया। वहीं अब फिल्म को लेकर एक और दिलचस्प जानकारी का खुलासा हुआ है, जो अभिनेता के किरदार को लेकर है। आरआरआर के बाद जूनियर एनटीआर की यह अगली फिल्म है। इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर अपना साउथ डेब्यू कर रही हैं। जूनियर एनटीआर के जन्मदिन से एक दिन पहले 19 मई को निर्माताओं नेफियर गाना रिलीज किया, जिसने दर्शकों के बीच डर का माहौल भी बनाया। अब इस एक्शन ड्रामा फिल्म को लेकर नई चर्चाएं चल रही हैं। कहा जा रहा है कि अभिनेता इस फिल्म में एक रक्षक

की भूमिका में नजर आएंगे।

रिपोर्ट्स के अनुसार, जूनियर एनटीआर फिल्म में समुद्र तट के करीब 10 गांवों के रक्षक की भूमिका निभा रहे हैं, जहां अपार खजाना मौजूद है। कहा जा रहा है कि जब करीब दस हजार नकाबपोश बंदूकधारी खजाना चुराने की तैयारी करेंगे तो एनटीआर एक शक्तिशाली अवतार में तबाही मचाकर उनका नरसंहार करेंगे। अफवाह है कि पहली झलक और फियर सॉन्ग के दृश्य इसी स्थिति पर आधारित थे। दर्शक इस दृश्य से संबंधित लाल रक्त वाले समुद्र को देखने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

देवरा के जरिए जूनियर एनटीआर ब्लॉकबस्टर हिटजनता गैराज के प्रतिभाशाली फिल्म निर्माता कोराताला शिवा के साथ फिर से जुड़े हैं।देवरा जान्हवी कपूर की दक्षिण फिल्मों में पहली फिल्म है। इस फिल्म के जरिए जूनियर एनटीआर और जान्हवी पहली बार साथ काम कर रहे हैं।आरआरआर की तरह इस तेलुगु फिल्म में हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस होंगे, जो दर्शकों के होश उड़ा देंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, देवरा को भारी बजट पर बनाया जा रहा है। कथित तौर पर निर्माता इसके वीएफएक्स पर 140 करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं।

देवरा जूनियर एनटीआर की 30वीं फिल्म भी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेता इस फिल्म में पिता और पुत्र दोनों का किरदार पर्दे पर निभाएंगे। फिल्म में सैफ अली खान और राम्या कृष्णा जैसे अन्य कलाकार भी होंगे। ऐसी खबरें हैं कि अभिनेत्री चैत्रा राय स्टार कास्ट में शामिल होंगी। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।देवरा का निर्माण युवासुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा किया गया है। संगीत रचना अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा की जाएगी। यह फिल्म 10 अक्तूबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# मुझे वो नहीं मिलता, जो मुझे चाहिए तो मैं आपा खो देता हूं, भंसाली ने किया गुस्सैल स्वभाव का बचाव

संजय लीला भंसाली इन दिनों अपनी सीरीज हीरामंडी को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। सीरीज को दर्शकों की अछी खासी प्रतिक्रिया मिल रही है। हालांकि, शो की कास्ट ने कई बार खुलासा किया है कि सेट पर भंसाली काफी गुस्से में रहते हैं और आपा भी खो बैठते हैं। अब निर्माता ने अपने गुस्सैल स्वभाव का बचाव किया है और कहा है कि इसमें उन्हें कोई बुराई नजर नहीं आती है।

निर्देशक संजय लीला भंसाली ने अपने गुस्सैल स्वभाव के बारे में बात की और कहा कि उन्हें गुस्सा आने में कुछ भी गलत नहीं लगता। अपने कलाकारों और क्रू के साथ सेट पर अपना आपा खोने की कहानियों को याद करते हुए, फिल्म निर्माता ने कहा कि वह हर बार जब मुंबई के फिल्म सिटी में कदम रखते हैं, तो पागल और जुनूनी हो जाते हैं और अपने सहयोगियों से भी यही उम्मीद करते हैं।

उन्होंने कहा, मैं हर दिन शूटिंग से एक घंटा, दो घंटे पहले सेट पर होता हूं। आज भी 30 साल बाद, मैं सेट पर कभी देर से नहीं पहुंचता। मैं जो प्रतिबद्धता लेकर आता हूं, उसमें एक अभिनेता को एक ही पेज पर होना चाहिए, मेरे तकनीशियनों को एक ही पेज पर होना चाहिए। मैं सब कुछ दे रहा हूं, इसलिए आप फोन पर नहीं रह सकते। आपको मुझे सब कुछ देना होगा। आपको बारीकियों को समझना होगा।

निर्माता ने आगे कहा, मैं लंबे टेक, लंबे शॉट लेता हूं। यह उनके लिए मुश्किल है। मैं आपको चुनौती दे रहा हूं, मैं आपके सामने इक्का फेंक रहा हूं। आपको मेरे सामने तीन इक्के फेंकने होंगे। और अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आपको थोड़ी देर वैन में इंतजार करना होगा और वापस आना होगा।

अपने गुस्सैल स्वभाव का बचाव करते हुए निर्माता ने कहा, फिल्म या शो हमेशा खुद या उनके कलाकारों से बड़ा होता है। अगर मुझे वह नहीं मिल रहा जो मैं चाहता हूं, तो अगर मैं अपना आपा खो भी देता हूँ, तो इसमें क्या गलत है?अगर आपको कोई शॉट नहीं मिल रहा है और कोई इसे खराब कर रहा है, तो आप क्या करेंगे? लोगों ने कहानियां बना दी हैं कि मैं गुस्से में हूं, कि मैं बुरा व्यवहार करता हूं। मैं जानना चाहता हूं कि राज कपूर ने क्या छोड़ा, न कि वह बंगला जिसमें वह रहते थे, न ही उनके सेट पर होने वाली उथल-पुथल या उनके अभिनेताओं ने क्या-क्या झेला।

# बुजी के बाद अब धमाल मचाएगा कल्कि 2898 एडी का ट्रेलर, जानिए कब होगा रिलीज

सुपरस्टार प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी को लेकर कई महीनों से उत्साह का माहौल बना हुआ है। फिल्म निर्माताओं द्वारा कभी पोस्टर जारी करके तो कभी किसी किरदार का फर्स्ट लुक शेयर करके दर्शकों के बीच रोमांच पैदा किया जा रहा है। निर्माताओं ने हाल ही में, बुजी नाम के एक किरदार को लोगों के सामने पेश किया, जो एक काल्पनिक कार है। इसने तो प्रभास के फैंस का उत्साह सातवें आसमान पर पहुंचा दिया। इन सब चीजों से इतर भी कुछ ऐसा है, जिसका बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है और वो है फिल्म का ट्रेलर।

**इस दिन लॉन्च हो सकता है ट्रेलर**

प्रभास के चाहने वाले कल्कि 2898 एडी का ट्रेलर देखने के लिए उतावले नजर आ रहे हैं। इसी बीच, ट्रेलर को लेकर एक अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म की टीम एक दमदार ट्रेलर को तैयार करने में जुटी हुई है। कहा जा रहा है कि कल्कि 2898 एडी का ट्रेलर जून के पहले हफ्ते में जारी कर दिया जाएगा। इसे बड़े स्तर पर लॉन्च करने पर

भी काम किया जा रहा है। हालांकि, अभी निर्माताओं की ओर से इसकी आधिकारिक घोषणा बाकी है।

**27 जून को रिलीज होगी फिल्म**

कल्कि 2898 एडी में प्रभास के अलावा अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दीपिका पादुकोण भी अभिनय करते नजर आएंगे। फिल्म 27 जून को रिलीज होगी। इसका निर्देशन नाग अश्विन ने किया है। वैजयंती मूवीज ने फिल्म का निर्माण किया है। संगीतकार संतोष नारायणन ने फिल्म को अपनी धुनों से सजाया है। इसके संवाद साई माधव बुर्रा ने लिखे हैं।

# अनसूया सेनगुप्ता ने क्वीयर समुदाय को समर्पित किया अवॉर्ड, लोगों से मिल रहा बेशुमार प्यार

77वां कान फिल्म फेस्टिवल भारतीय सिनेमा प्रेमियों के लिए कई सारी खुशियां लेकर आया है। फेस्टिवल में भारतीय फिल्मकारों के काम को केवल सराहना ही नहीं मिली, बल्कि पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया है। पायल कपाड़िया की फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट के ग्रांड प्रिक्स और अनसूया सेनगुप्ता के सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का खिताब जीतने से कलाकारों की दुनिया में जश्न का माहौल है। पुरस्कार जीतने वाली अनसूया सेनगुप्ता तो इन दिनों सातवें आसमान पर हैं।

**अनसूया ने जूरी का जताया आभार**

दुनियाभर में अपने अभिनय का डंका बजाने के बाद अनसूया सेनगुप्ता काफी उत्साहित हैं। उन्होंने हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में अपनी इस उपलब्धि को लेकर बातचीत की। अनसूया ने कहा कि वो इस बात के लिए जूरी की बहुत आभारी हैं कि उन्होंने मेरी मेहनत को सराहा। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन ही नहीं हो रहा था कि ऐसा कुछ हो रहा है। मैं लड़खड़ाते हुए मंच की ओर जा रही थी, जहां वे कलाकार मौजूद थे, जिनकी मैं तारीफ करती हूं और जब उन्होंने मेरा स्वागत किया तो यह एक अजीब तरह से स्वाभाविक लगा।

**क्वीयर समुदाय को समर्पित किया अवॉर्ड**

अनसूया को देश भर से बधाई संदेश और प्यार मिल रहा है। इस पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि मैं इतने सारे लोगों से मिल रहे प्यार को पाकर दंग हूं। हर किसी को गौरवान्वित करना, मेरे लिए भी गर्व की बात है। बातचीत के दौरान उन्होंने क्वीयर समुदाय को अपना अवॉर्ड समर्पित किया। मालूम हो कि अनसूया पहली ऐसी भारतीय अभिनेत्री हैं, जिन्हें यह पुरस्कार मिला है।

**इस फिल्म के लिए मिला अवॉर्ड**

अनसूया को फिल्म द शेमलेस के लिए अन सर्टन रिगार्ड सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवॉर्ड मिला है। इस फिल्म को बल्गेरियाई फिल्मकार कॉन्स्टेंटिन बोजानोव ने डायरेक्ट किया है। उनकी इस उपलब्धि पर रणवीर सिंह, भूमि पेडनेकर, हुमा कुरैशी, आलिया भट्ट, कियारा आडवाणी और अर्जुन कपूर समेत कई कलाकारों ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी।

# ऑल वी इमेजिन एज लाइट की सफलता से बॉलीवुड में उत्साह, बधाईयों का लगा तांता

77वें कान फिल्म फेस्टिवल के आखिरी दिन भारतीय फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट ने इतिहास रच दिया। इस फिल्म को ग्रांड प्रिक्स से सम्मानित किया गया है, जो कान का दूसरा सबसे बड़ा अवार्ड है। इस फिल्म का निर्देशन पायल कपाड़िया ने किया है। फिल्म की सफलता से पूरे देश के सिनेमा प्रेमियों के बीच खुशी का माहौल है। वहीं, कुछ फिल्मी सितारों की ओर से भी प्रतिक्रियाएं सामने आई है।

**कियारा ने दी जीत की बधाई**

बॉलीवुड की जिन हस्तियों ने फिल्म के पुरस्कार जीतने पर बधाई दी, उनमें कियारा आडवाणी, ऋचा चड्ढा, भूमि पेडनेकर, सोनी राजदान और अली फजल समेत कई कलाकार शामिल हैं। कियारा आडवाणी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर ऑल वी इमेजिन एज लाइट की टीम को अवॉर्ड जीतने पर बधाई दी। सोनी राजदान ने भी अपनी इंस्टा स्टोरी पर पायल कपाड़िया और उनकी टीम को बधाई दी।

**सुजॉय घोष बोले- शाबाश पायल !!**

ऋचा चड्ढा ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि ये ऐतिहासिक है। इस खबर से खुशी हो रही है! पायल कपाड़िया, रणबीर दास, कनी कुसरुति, दिव्य प्रभा, हृदयु हारून, छाया कदम और ऑल वी इमेजिन एज लाइट की पूरी टीम को बधाई। एक स्वतंत्र फिल्म को बनाना किसी भी वक्त में मुश्किल होता है। अली फजल ने भी फिल्म की इस उपलब्धि पर खुशी जताई। फिल्म निर्देशक सुजॉय घोष भी बधाई देने में पीछे नहीं रहे। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, शाबाश पायल और जिको...तुम पर बहुत यादा गर्व है। निर्देशक पायल कपाड़िया की यह पहली फीचर फिल्म है। इससे पहले 2021 में उनकी डॉक्यूमेंट्री फिल्म ए नाइट ऑफ नोइंग नथिंग ने भी कान में सुर्खियां बटोरी थी। फिल्म को सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री के लिए गोल्डन आई पुरस्कार से नवाजा गया था।

# दूसरे दिन भी नहीं दिखा भैया जी का भौकाल, धीमी चाल चल बॉक्स ऑफिस पर पैर जमाए है श्रीकांत

सिनेमाघर इन दिनों अपने दर्शकों को कुछ खास देने में पूरी तरह से असफल साबित हो रहा है। पिछले दिनों रिलीज कई फिल्में इस बात की गवाह है कि वो दिन दूर नहीं जब दर्शक थिएटर्स में फिल्में देखने के बजाय सिर्फ खाने पीने के लिए ही आएंगे। इन दिनों सिनेमाघरों में मनोज बाजपेयी की भैया जी और राजकुमार राव की फिल्म श्रीकांत लगी हुई है। हालांकि, गर्मी के इस मौसम में जो भी समय निकालकर थिएटर जा रहा है, उसे निराशा ही मिल रही है। आइए जानते हैं कि ऐसा क्यों है।

सिनेमाघर इन दिनों अपने दर्शकों को कुछ खास देने में पूरी तरह से असफल साबित हो रहा है। पिछले दिनों रिलीज कई फिल्में इस बात की गवाह है कि वो दिन दूर नहीं जब दर्शक थिएटर्स में फिल्में देखने के बजाय सिर्फ खाने पीने के लिए ही आएंगे।

इन दिनों सिनेमाघरों में मनोज बाजपेयी की भैया जी और राजकुमार राव की फिल्म श्रीकांत लगी हुई है। हालांकि, गर्मी के इस मौसम में जो भी समय निकालकर थिएटर जा रहा है, उसे निराशा ही मिल रही है। आइए जानते हैं कि ऐसा क्यों है। फिल्म की कमाई की बात करें तो शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक 16वें दिन फिल्म ने 1.59 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है, इस तरह फिल्म का कुल कलेक्शन 34.24 करोड़ रुपये हो गया है। मनोज बाजपेयी हिंदी सिनेमा के बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं। उन्होंने कई फिल्मों में अपनी बेहतरीन अदाकारी से लोगों का दिल जीता है। फिलहाल वह अपनी हालिया रिलीज फिल्म %भैयाजी% को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेता की फिल्म ने फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की है। दर्शकों को उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार था।

अपूर्व सिंह कार्की के निर्देशन में बनी फिल्म %भैया जी ने पहले दिन टिकट खिड़की पर कुछ खास कमाई नहीं की है, फिल्म ने दूसरे दिन 1.16 करोड़ रुपये की कमाई की है, इस तरह फिल्म का कुल कलेक्शन 2.51 करोड़ रुपये हो गया है।

# मुफलिसी ने 11 साल की उम्र में नौकरानी बनने पर किया मजबूर, फिल्मी सफर ने पहुंचाया गिनीज बुक तक नाम

तमिलनाडु के मन्नारगुड़ी के एक गरीब परिवार में 26 मई 1937 को एक लड़की का जन्म होता है। घर वाले उसका नाम गोपीशांता रखते हैं। बच्ची को पालने के लिए उसकी मां लोगों के घरों में नौकरानी का काम करने लगी। गोपीशांता जैसे-जैसे बड़ी होती गई, परिवार की हालत दिन-ब-दिन बिगड़ती गई। लड़की ने अपनी आंखों के सामने अपनी मां को खून की उल्टियां करते हुए देखा, तो महज 11 साल की उम्र में पढ़ाई लिखाई छोड़कर लोगों के घरों में काम करने लगी, लेकिन विधाता को कुछ और ही मंजूर था। एक दिन कुछ ऐसा हुआ जिसने गोपीशांता की किस्मत बदल दी। हम बात कर रहे हैं दक्षिण भारत की मशहूर अभिनेत्री मनोरमा की। जिन्होंने अपने काम की बदौलत अपना नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज करवाया। लोग उन्हें 'मनोरमा आची' के नाम से भी जानते हैं। उनके बचपन का नाम 'गोपिशांता' था। मनोरमा एक मशहूर कॉमेडियन और जानी-मानी गायक भी रहीं। आइए जानते हैं कि मनोरमा ने लोगों के घरों में काम करने से लेकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज करवाने तक का सफर कैसे तय किया?

**मां के बीमार होने पर लोगों के घरों में किया काम**

मनोरमा का जन्म गरीबी में हुआ। उन्होंने अपने जीवन के शुरुआती दिनों में मुफलिसी की मार झेली। मां दूसरों के घरों में नौकरानी का काम करती थी। खुद मनोरमा ने भी लोगों के यहां नौकरानी का काम किया। शायद मनोरमा को भी नहीं पता था कि उनकी किस्मत में क्या लिखा है? लेकिन कहते हैं ना जब किस्मत बदलती है तो पूरी तरह से बदलती है। ऐसा ही कुछ मनोरमा के साथ भी हुआ। अभिनेत्री अपने कष्ट भरे दिनों से गुजर रही थीं। तभी गांव में एक नाटक मंडली आती है, जिसे एक ऐसे कलाकार की तलाश थी, जो गाने के साथ-साथ अभिनय भी कर सके। इस नाटक में काम करने का मौका मनोरमा को मिल गया। उन्होंने 12 साल की उम्र में अभिनय शुरू कर दिया।

**हुनर ले आया तमिल सिनेमा की चौखट तक**

अभिनेत्री ने नाटक में काम करना शुरू कर दिया। वह अभिनय के साथ-साथ गाने भी गाती थी। जल्द ही मनोरमा अपनी काबिलियत की बदौलत चारों ओर मशहूर हो गईं। अपने हुनर के चलते साल 1957 में उन्हें फिल्म करने का मौका मिला। हालांकि, उन्हें जो दो फिल्मों का ऑफर मिला था वह किसी वजह से बंद हो गईं। आखिर 1958 में अभिनेत्री ने तमिल फिल्म 'मालयित्ता मंगाई' से अपने करियर की शुरुआत की। अपनी पहली फिल्म में ही उन्हें मुख्य भूमिका निभाने के लिए मिल गई। धीरे-धीरे मनोरमा फिल्मों में अपने कॉमेडी रोल के लिए मशहूर होती गईं।

**कन्नदासन की वजह से मिली फिल्मी दुनिया में आई थीं मनोरमा**

कहा जाता है कि एक साक्षात्कार में जब मनोरमा से पूछा गया कि वह फिल्मों में कैसे आईं, तो उन्होंने इसका श्रेय मशहूर गीतकार कन्नदासन को दिया। अभिनेत्री के मुताबिक कन्नदासन ने उनसे कहा था कि अगर तुम फिल्मों में बतौर हीरोइन काम करोगी तो चार साल बाद ये तुम्हें बाहर कर देंगे, लेकिन अगर तुम कॉमेडी करोगी तो बहुत आगे तक जाओगी। मनोरमा ने कहा था कि मेरे अंदर की प्रतिभा को कन्नदासन ने ही पहचाना था।

**काम के दम पर गिनीज बुक में दर्ज कराया अपना नाम**

अपने 57 साल के करियर में मनोरमा ने 1500 फिल्में, पांच हजार स्टेज शो किए और ढेर सारे गाने गाए। इसी की बदौलत उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स में दर्ज किया गया। मनोरमा के नाम एक और रिकॉर्ड है, उन्होंने लगभग सभी मशहूर और बड़े संगीत निर्देशकों के साथ काम किया है। अभिनेत्री ने अपने इस सफर में 'पद्म श्री सम्मान' के साथ-साथ 'कलैमामणि पुरस्कार' भी अर्जित किया। साल 1989 में 'पुधिया पढ़ाई' फिल्म के लिए मनोरमा आची को राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। अपनी शुरुआती जिंदगी में मुश्किलों को झेलते हुए उन्होंने विश्व भर में अपनी पहचान बनाई। बढ़ती उम्र के साथ मनोरमा के शरीर ने उनका साथ छोड़ना शुरू कर दिया था। लंबी बीमारी के चलते 78 साल की आयु में साल 2015 में मनोरमा आची ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

# सहारनपुर में मण्डलायुक्त डॉ हृषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में हुई गेहूँ खरीद प्रगति की समीक्षा

## मण्डल में सर्वाधिक गेहूँ खरीद करने वाले क्रय केन्द्र प्रभारी एवं मण्डी सहायक को किया सम्मानित

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।** सहारनपुर, मण्डलायुक्त डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में गेहूँ खरीद प्रगति की समीक्षा की गयी। खरीद की समीक्षा करने पर पाया गया कि सम्भाग में 1,98,000.00 मी.टन लक्ष्य के सापेक्ष 42381.414 मी.टन लक्ष्य खरीद हुई है, जो कि लक्ष्य का 21.40 प्रतिशत है। जिसमें खाद्य विभाग द्वारा 5802.150 मी.टन, पी0सी0एफ0 संस्था द्वारा 22078.962 मी.टन, पी0सी0यू0 संस्था द्वारा 8506.692 मी.टन, मण्डी समिति द्वारा 1665.750 मी.टन एवं भा0खा0नि0 द्वारा 4327.860 मी.टन गेहूँ की खरीद की गयी है। अभी तक सम्भाग में कुल 13837 कृषकों से खरीद हुई है। जिनमें से 93 प्रतिशत कृषकों का भुगतान उनके आधार सीडेड खातों में सीधे पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से किया जा चुका है। कुल क्रय किए गये गेहूँ 42381.414 मी.टन के सापेक्ष 35333.085 मी.टन का सम्प्रदान भा0खा0नि0 में किया गया है। उन्होंने गेहूँ खरीद में प्रगति लाये जाने हेतु निर्देश दिये गये कि किसानों का रजिस्ट्रेशन अधिकाधिक किये जाने के दृष्टिगत समस्त गेहूँ क्रय केन्द्र प्रभारी/क्रय एजेंसी वर्ष 2021-22 में गेहूँ विक्रय करने वाले कृषकों की सूची प्राप्त करके सम्बन्धित कृषकों से वार्ता/सम्पर्क करने के साथ ही सम्बन्धित अधिकारियों से बैठक कर अधिक से अधिक कृषकों का पंजीकरण कराकर गेहूँ क्रय में और प्रगति लाना सुनिश्चित करें। जनपद मुजफ्फरनगर एवं शामली में पी0सी0एफ0 संस्था की गेहूं खरीद मण्डल एवं जनपद सहारनपुर में हुई खरीद के औसत से कम है। अत: सम्बन्धित क्रय एजेंसी के मण्डल एवं जनपद स्तरीय अधिकारी उक्त जनपदों में और अधिक प्रयास करके दैनिक लक्ष्य के सापेक्ष गेहूँ की खरीद करायें तथा एक सप्ताह के भीतर खरीद, मण्डल की औसत खरीद के सापेक्ष लायें। डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद संयुक्त निबन्धक/संयुक्त आयुक्त, सहकारिता सहारनपुर सम्भाग,सहारनपुर को निर्देश दिये गये कि समन्वय स्थापित कर उक्तानुसार कार्यवाही कर खरीद में प्रगति लायी जायें ।शासन द्वारा समस्त गेहूँ क्रय केन्द्रों को मोबाईल क्रय केन्द्रों के माध्यम से संचालित किये जाने के निर्देश दिये गये है। अत: सम्भाग के शत-प्रतिशत गेहूँ क्रय केन्द्र मोबाईल क्रय केन्द्र के माध्यम से नियमानुसार गेहूँ खरीद करें। हर स्थिति में सभी क्रय केन्द्रों पर मोबाईल क्रय केन्द्र के माध्यम से भी खरीद सुनिश्चित की जाये। मण्डलायुक्त डा. हृषिकेश भास्कर यशोद ने निर्देश दिए कि क्रय केन्द्रों पर गेहूँ बेचने वाले कृषकों का प्रत्येक दशा में 48 घंटे के अन्दर भुगतान सुनिश्चित करा दिया जाये। प्रत्येक क्रय केन्द्र पर प्रतिदिन लक्ष्य के सापेक्ष खरीद अवश्य करायी जाये। जनपदों में गेहूँ के अवैध संचरण को रोकने हेतु गठित समिति को और अधिक सक्रिय होकर प्रवर्तन कार्य करने की आवश्यकता है, ताकि अवैध संचरण पर रोक लगे एवं गेहूँ क्रय केन्द्रों पर विक्रय हेतु हेतु आयें। जिन कृषकों का रजिस्टेऊशन पोर्टल पर हुआ है, किन्तु उनके द्वारा गेहूँ की बिक्री क्रय केन्द्रों पर नहीं की गयी है, उनकी सूची सम्बन्धित क्रय केन्द्रों को दी जाये एवं उनसे वार्ता कर गेहूँ की खरीद सुनिश्चित करायी जायें। आशीष कुमार, सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, सहारनपुर सम्भाग ने बताया गया कि सहारनपुर सम्भाग दैनिक खरीद में प्रदेश में दूसरे स्थान पर तथा लक्ष्य के सापेक्ष खरीद में प्रदेश में 05 वें स्थान पर है तथा मण्डल की खरीद प्रदेश की औसत खरीद से अधिक है। बैठक में मण्डलायुक्त द्वारा मण्डल में सर्वाधिक गेहूँ खरीद करने वाले क्रय केन्द्र प्रभारी श्री जीत सिंह, मण्डी सहायक एवं श्री राहुल कुमार, लिपिक को दिनॉक 29 अप्रैल, 2024 से 05 मई, 2024 एवं 06 मई, 2024 से 12 मई, 2024 तक सप्ताह में मण्डल सहारनपुर के सभी क्रय केन्द्रों से अधिक गेहूँ क्रय करने हेतु एक मोमेन्टो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। श्री सचिन गोयल, टी0ए0 को विगत सप्ताहों दिनॉक 05 मई तक मण्डल सहारनपुर के सभी क्रय केन्द्रों से सर्वाधिक संचयी खरीद करने हेतु भी एक मोमेन्टो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। जिसका उद्देश्य है कि अन्य क्रय केन्द्र प्रभारी भी उक्त से प्रोत्साहित होकर अधिक से अधिक गेहूँ खरीद करें, जिससे कि कृषक लाभान्वित हों। उक्त पुरस्कार आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में प्रदान किया गया। उक्त समीक्षा बैठक व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में आशीष कुमार, सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, श्रीकृष्ण सम्भागीय खाद्य विपणन अधिकारी सहारनपुर, योगेन्द्र पाल सिंह, संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त निबन्धक सहकारिता, आर0पी0 पटेल जिला खाद्य विपणन अधिकारी सहारनपुर, श्रीमती प्रज्ञा शर्मा जिला खाद्य विपणन अधिकारी शामली, अशोक कुमार सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता मुजफ्फनगर, विश्व बन्धु क्षेत्रीय प्रबन्धक पी0सी0एफ0 एवं मेहर चन्द्र क्षेत्रीय प्रबन्धक पी0सी0यू0 एवं श्रीमती सुमन भारती मण्डी सचिव सहारनपुर आदि उपस्थित रहे।

# म.प्र.मीडिया संघ शहडोल ने की मांग

## सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ब्यौहारी में पदस्तथ डॉ. धर्मेन्द्र पराशर को तत्काल हटाए

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ । शहडोल, पत्रकारों के हितों एवं अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने वाले मध्यप्रदेश मीडिया संघ शहडोल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ब्यौहारी में पदस्थ डॉ. पराशर एवं थाना ब्यौहारी में पदस्थ पुलिस कर्मियों द्वारा पत्रकार सुरेन्द्र नामदेव को डराने धमकाने एवं मोबाइल से वीडियो डिलीट करने के सम्बंध में म.प्र. मीडिया संघ संभाग शहडोल के प्रतिनिधि मंडल ने कमिश्नर शहडोल, कलेक्टर शहडोल, पुलिस अधीक्षक शहडोल को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच कराते हुए शीघ्र उचित कार्यवाही की मांग की है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ब्यौहारी में डॉ. धर्मेन्द्र कुमार पराशर विगत 20-25 वर्षों से पदस्थ हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ब्यौहारी में 17 मई को एक मासूम की इलाज के दौरान मौत होने पर परिजनों द्वारा डॉक्टरों पर आरोप लगाते हुए हंगामा किया जा रहा था, जिसके कवरेज का वीडियो दैनिक समाचार पत्र नवभारत के स्थानीय संवाददाता श्री सुरेन्द्र नामदेव के मोबाइल में था। डॉक्टरों की लापरवाही दर्शाते हुए उक्त घटना की खबर प्रकाशित की गई थी। दिनांक 18 मई को रात्रि 11 बजे सुरेन्द्र नामदेव को ब्यौहारी थाने बुलवाकर डॉ. पराशर एवं उनके साथियों द्वारा गाली-गलौज करते हुए डरा-धमकाकर मोबाइल फोन से वीडियो डिलीट कर दिया गया। इस दौरान थाने में उपस्थित पुलिस कर्मियों द्वारा भी पत्रकार का बचाव न करते हुए डॉक्टर का साथ देकर वीडिया डिलीट कराया गया और श्री सुरेन्द्र नामदेव को धमकाते हुए खंडन प्रकाशित करने का दबाव बनाते हुए थाने में रूपयों की मांग से सम्बंधित एवं फर्जी पत्रकार बताकर झूठी शिकायत डॉक्टर द्वारा की गई और एफआईआर कराने की धमकी भी दी गई, जिसमें उपस्थित पुलिस कर्मियों ने डॉक्टर का साथ दिया था। मध्यप्रदेश मीडिया संघ शहडोल ने डॉ. पराशर एवं थाना परिसर में वीडियो डिलीट करते वक्त उपस्थित पुलिस कर्मियों के खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही की मांग की साथ ही यह भी कहा कि यदि 7 दिवस के भीतर कार्यवाही नहीं की गई तो मध्यप्रदेश मीडिया संघ प्रदेश के मुखिया एवं उच्चाधिकारियों के समक्ष विशाल धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होगा। ज्ञापन सौंपते समय मध्यप्रदेश मीडिया संघ के संभागीय अध्यक्ष मनीष शुक्ला, संभागीय उपाध्यक्ष सुनील मिश्रा, महेन्द्र मोटवानी, विजय गुप्ता, रामराज गुप्ता, सुरेन्द्र नामदेव, सी.पी. जायसवाल, निर्मल जायसवाल, बृजकांत मिश्रा, संजय यादव, मोले यादव, तरूण वर्मा सहित संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

### सहारनपुर में निर्वाचन अधिकारी पंहुचे सेंट्रल वेयर हाउस, जांची ईवीएम की सुरक्षा, सीसीटीवी कैमरो को देखा

# सुरक्षा कर्मियों एवं ड्यूटी में तैनात अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।** सहारनपुर, जिला मजिस्ट्रेट डॉ0 दिनेश चंद्र जनता रोड स्थित सेंट्रल वेयर हाउस में पहुंचे और वहां रखी ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था को जांचा। ईवीएम की सुरक्षा को लेकर डीएम बेहद संवेदनशील हैं। डॉ0 दिनेश चंद्र सेंट्रल वेयर हाउस पर पहुंचे और काफी देर तक जांच-पड़ताल की। उन्होंने पिछले दिनों की सभी सीसीटीवी फुटेज निकलवाकर चेक की। वहां तैनात अर्धसैनिक बल के जवानों और पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि किसी वाहन को अंदर नहीं जाने दिया जाए। यदि कोई अधिकारी भी निरीक्षण को आ रहे हैं तो उनकी कार को चेक करें और उनकी पूरी पहचान करने के बाद ही अंदर जाने दिया जाए। सहारनपुर और कैराना लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल को चुनाव हुआ था। मतदान के बाद ईवीएम को सेंट्रल वेयर हाउस में कड़ी सुरक्षा में रखे गए हैं। यहां अर्धसैनिक बलों और पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। पूरे सेंट्रल वेयर हाउस में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। एक कंट्रोल रूम बनाया है, जहां परएलईडी लगाई गई है। डीएम सेंट्रल वेयर हाउस पहुंचे और कैमरों के अलावा ईवीएम की सुरक्षा परखी।

# अवैध खनन पर खबर करने वाले पत्रकार पर दबाव

## माफिया के बोल आओ पटवारी और एएसआई की तरह निपटा दे, एफआईआर दर्ज

**मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ ।** शहडोल, ब्योहारी क्षेत्र खनिज माफियाओ का अवैध गढ़ बन चुका है। खनिज माफियाओ द्वारा रेत का अवैध उतखनन किये जाने पर कार्यवाही करने गये पहले पटवारी प्रश्नन सिंह को टेक्टर से कुचल कर मरडाला फिर एक ए एस आई महेंद्र सिंह बागरी को और अब पत्रकार लक्ष्मीकांत चतुर्वेदी द्वारा समाचार लिखें जाने पर बुडवा निवासी राहुल सिंह बैस द्वारा फोन मे गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी गयी जिस पर ब्योहारी पुलिस राहुल बैस के खिलाफ मुकदमा पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है। बताया जा रहा है कि खनिज माफियाओ को सत्ता पक्ष के सफ़ेद पोस नेताओं का संरक्षण प्राप्त है जिस कारण उनके हौसले बुलंद है और घटना कारित करने से पीछे नहीं हटते है। शिकायत पर पुलिस ने किया मामला दर्ज स्थानीय पत्रकार लक्ष्मीकांत चतुर्वेदी द्वारा दिनांक 22/05/2024 को थाना ब्योहारी मे लिखित रूप से आवेदन दिया गया कि ब्योहारी क्षेत्र मे रेत, मुरुम एवं पत्थर के अवैध उत्खन्न को लेकर समाचार प्रकाशित कराया गया गया है। समाचार छपने के बाद कई हाइवा एवं जेसीबी पकड़ी गयी थी इस बात को लेकर बुडवा निवासी राहुल सिंह बैस द्वारा फोन कर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी गयी। नाम पूछने पर नाम नहीं बताया गया और बोला गया की नदियां तुम्हारे बाप की है आ जाओ नदी तक तो पटवारी प्रश्नन सिंह के बगल मे तुम्हारी सत सैया बना दूंगा जिस पर ब्योहारी पुलिस द्वारा पत्रकार को धमकी दिया जाना पाए जाने पर राहुल सिंह बैस के खिलाफ अपराध क्रमांक 0314/2024 धारा 294, 506 एवं 507 के तहत मामला क़ायम कर विवेचना मे लिया गया है।

# शहडोल में दुकान को किया था खाक

## दुकान में आग लगाने वाली महिला, गिरफ्तार

**मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ ।** शहडोल, दिनदहाड़े ग्रामीणों की मौजूदगी में एक दबंग महिला ने सबके सामने एक दुकान में आग लगाकर दुकान को राख कर दिया। मामला जमीन विवाद से जुड़ा हुआ है। महिला का कहना है कि जिस जमीन पर यह दुकान बनाई गई है वह उसके स्वामित्व की है जबकि दुकानदार का कहना है कि यह जमीन उसकी है। जमीन के मालिकाना हक को लेकर मामला न्यायालय अथवा कानून के जरिए सुलझाने के बजाय दबंग महिला ने सीधे जाकर दुकान में आग लगा दिया जिसका वीडियो वायरल हो रहा है ।वायरल हो रहे वीडियो में स्पष्ट दृष्टव्य है कि उक्त कथित दबंग महिला गाली गलौज करते हुए दुकान के एक साइड में जाती है जहां हरे रंग का पर्दा लगा हुआ है, वहीं पर महिला आग जलाती है और उक्त पर्दे पर लगी आग पूरे दुकान में फैल गई। इस बीच लोग दूर से खड़े होकर देखते नजर आए उसमें कई लोग यह चिल्लाते हुए भी सुने गए कि भागो-भागो दुकान में गैस सिलेंडर रखा हुआ है विस्फोट होगा और इस प्रकार पूरे गांव में भगदड़ की स्थिति निर्मित हो गई लोग अपनी जान माल की सुरक्षा में भागते हुए दिखे लेकिन किसी ने भी उक्त दुकान में भड़की आग को बुझाने का कोई प्रयास नहीं किया। इस संबंध में ब्यौहारी थाना प्रभारी मोहन पड़वार ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ित दुकानदार सौखी लाल ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थीं कि पूनम मिश्रा ने उसके दुकान में आग लगा दी है ,जिससे उसके दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया है पुलिस ने मामले को विवेचना में लिया और जांच के उपरांत आरोपी महिला को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

# मोटर सायकल पर सवार होकर पुलिस ने कई इलाको की करी चेकिंग

## देर रात्री हुई चैकिंग के दौरन 4 संदिग्धों को घेराबंदी करके पकड़ा गया

**सुनील यादव । सिटी चीफ।** कटनी, अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों की गतिविधियों पर सतत निगाह रखने और उनके अपराधिक कृत्यों पर अंकुश लगाकर उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही किए जाने हेतु देर रात्री थाना प्रभारी कोतवाली आशीष कुमार शर्मा द्वारा मोटर सायकल पर सवार होकर रेल्वे स्टेशन चौक, खिरहनी फाटक, आधारकाप क्षेत्र, गाटरघाट क्षेत्र, मुड़वारा स्टेशन, फारेस्टर प्ले ग्राउण्ड क्षेत्र में दविश दी गई और संदिग्धों की चैकिंग की गई। चैकिंग के दौरान नई बस्ती में बे वजह घूम रहे लोगो से उठक बैठक लगवाई और समझाइश दी की बिना वजह कही भी न घूमे। पुलिस द्वारा अचानक दी गई दविश के कारण अपराधियों में दहशत का माहौल है। दविश के दौरान सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन करते पाए गए 7 व्यक्तियों के विरूद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान ही मुखबिर की सूचना पर खिरहनी फाटक ओवर ब्रिज के नीचे, बरही नाका, रेल्वे स्टेशन के पास, फारेस्टर प्ले ग्राउण्ड के पीछे एवं खिरहनी फाटक रेल्वे लाईन के किनारे 4 संदिग्धों को घेराबंदी करके पकड़ा गया। चारों आरोपियों के कब्जे में अवैध शस्त्र चाकू पाए गए है। चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया जाकर थाना कोतवाली कटनी में आर्म्स एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया जाएगा ।कोतवाली पुलिस के द्वारा अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के विरूद्ध की गई कार्रवाई से जहां एक ओर अपराधियों में हड़कम्प मचा रहा वहीं दूसरी ओर आमजन के इस प्रकार कार्यवाही से कोतवाली पुलिस की प्रशंसा भी की है।

# देवबंद में नन्हें-मुन्ने बच्चों के लिए पूल पार्टी का आयोजन किया गया

## पूल पार्टी में मेपल्स एकेडमी के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मचाया धमाल

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।** सहारनपुर। देवबंद, मेपल्स एकेडमी में कक्षा प्री-नर्सरी से यूकेजी के नन्हें-मुन्ने बच्चों के लिए पूल पार्टी का आयोजन किया गया। जिसमें के.जी. विंग के नन्हें -मुन्ने बच्चों ने खूब धमाल मचाया। बच्चों ने ठंडे पानी की बौछारों के बीच खूब मस्ती की। पूल पार्टी के साथ ही बच्चों के लिए फ्रूट पार्टी एवं जूस पार्टी का भी इंतजाम किया गया था। जहाँ बच्चों ने ताजे फलों को खाकर व जूस पीकर मैंगों पार्टी का भी आनंद लिया। पूल पार्टी के लिए विद्यालय के मैदान को रंग-बिरंगे ग गुब्बारों से सजाया गया था। जहाँ बच्चों ने पानी में खूब अठखेलियां की। ठंडे पानी की बौछारों में बच्चों ने रेन डांस भी किया। छोटे-छोटे बच्चों को मस्ती करते देख सभी का मन प्रफुल्लित हो उठा। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. चित्रा जोशी जी ने बच्चों को आगामी गर्मियों की छुट्टियों में समय का सही सदुपयोग करने का सुझाव देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने कहा कि पढाई के साथ-साथ इस तरह के आयोजन बच्चों में नया जोश भर देते हैं। अत: हम समय-समय पर ऐसे आयोजन करते रहेंगे। इस अवसर पर उत्कर्ष वत्स, अंकुर राठी, मनोज कुमार, गौरव कुमार, रामकुमार, सिम्मी मखीजा, लवी त्यागी, आंचल गर्ग, अरसला, प्राची, आन्या, दीपिका, शिल्पा, शिल्पी आदि का सहयोग रहा।

### सहारनपुर जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने छात्रों की समस्या का कराया समाधान

# छात्रों के भविष्य के दिष्टगत डीएम ने कराया एक महत्वपूर्ण कार्य

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।** सहारनपुर, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र के पास ग्राम सुन्दरपुर में स्थित दून कॉलेज के छात्र अपनी समस्या लेकर पहुँचे। उन्होंने बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है जिससे वो बकाया फीस नहीं जमा कर पा रहे। व्यवस्था होते ही वे शीघ्र फीस जमा करा देंगे। बकाया फीस जमा होने की वजह से कॉलेज द्वारा परीक्षा फार्म कन्फर्म नहीं किये गये जिसकी वजह से उनका एक वर्ष खराब हो जाएगा। डीएम डा.दिनेश चन्द्र ने छात्रों की समस्याओं को समझते हुए कुलपाति मॉ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय एच एस सिंह से वार्ता कर अनुरोध किया कि छात्रों के भविष्य के दृष्टिगत ऐसे विद्यार्थी जो नियमित रूप से आ रहे हैं और जिन्होने बकाया फीस का भुगतान नही किया है। अन्डरटेकिंग प्राप्त कर उनके परीक्षा फार्म कन्फर्म करते हुए इनके प्रवेश पत्र निर्गत कराने की कृपा करें। कुलपति महोदय से हुई वार्ता के बाद नियमित आने वाले विद्यार्थी जिन्होंने अपनी फीस नही जमा की ऐसे विद्यार्थियों के परीक्षा फार्म छात्र हित में उनसे फीस जमा किये जाने की अन्डरटेकिंग प्राप्त कर फार्म विश्वविद्यालय को अग्रसारित कर दिये गए।

# कटनी के भाजपा कार्यालय में आयोजित हुई प्रेस वार्ता

## बंगाल सीएम ममता बनर्जी पर जमकर प्रहार किया

**सुनील यादव । सिटी चीफ ।** कटनी, कटनी जिले के भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्रों के रद्द करने संबंधी निर्णय की अवमानना करने के लिए टीएमसी प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर जमकर प्रहार किया ।साथ ही, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान का उल्लेख करते हुए कांग्रेस के दलित एवं पिछड़ा विरोधी चरित्र को उजागर किया। पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते जिला अध्यक्ष दीपक टण्डन सोनी ने कहा कि तुष्टीकरण ही कांग्रेस और टीएमसी जैसी पार्टियों की खुराक और खाद पानी है एवं तुष्टीकरण के बिना ये पार्टियां एक दिन भीन हीं चल सकती हैं। सिर्फ अपने वोटबैंक के लिए ओबीसी का आरक्षण छीन कर एक वर्ग विशेष को देना बिल्कुल भी न्यायसंगत नहीं है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की वोटबैंक की राजनीति पर कलकत्ता उच्च न्यायालय ने करारा तमाचा मारते हुए 2010 के बाद जारी हुए सभी ओबीसी प्रमाण पत्र रद्द करने का निर्णय लिया है ।पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश सोनी ने कहा कि सत्ता संभालते ही ममता बनर्जी ने वोटबैंक की राजनीति करते हुए बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को ओबीसी प्रमाण पत्र बनाकर दिए, बिना किसी नियम का पालन करते हुए 118 जातियों को ओबीसी में शामिल किया और अल्पसंख्यकों को भी ओबीसी प्रमाण पत्र जारी कर दिए। इसे कलकत्ता उच्च न्यायालय ने असंवैधानिक बताते हुए रद्द करने का निर्णय लिया है।

### उत्तराखण्ड राज्य में चार धाम यात्रा पर जाने वाले जनपद के सभी इच्छुक श्रद्धालुजन पंजीकरण करान के बाद ही यात्रा हेतु वहां जाएं- डीएम डॉक्टर दिनेश चंद्र

# श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखकर उत्तराखण्ड सरकार ने चार धाम यात्रा के लिए अनिवार्य पंजीकरण व्यवस्था लागू की

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।** सहारनपुर, जिला मजिस्ट्रेट डॉक्टर दिनेश चंद्र ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य में चार धाम यात्रा पर जाने वाले जनपद के सभी इच्छुक श्रद्धालुजन पंजीकरण कराने के बाद ही यात्रा हेतु वहां जाएं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखकर उत्तराखण्ड सरकार द्वारा चार धाम यात्रा-2024 के लिए अनिवार्य पंजीकरण व्यवस्था लागू की गई है। बगैर पंजीकरण चार धाम यात्रा के लिए जाने पर श्रद्धालुओं को असुविधा हो सकती है। डीएम डॉक्टर दिनेश चंद्र ने चार धाम यात्रा (गंगोत्री, यमुनोत्री, बद्रीनाथ एवं केदारनाथ) पर जा रहे अथवा जाने के इच्छुक जनपद के तीर्थ यात्रियों से अपील की है कि वे अनिवार्य रूप से रजिस्ट्रेशन कराते हुए रजिस्ट्रेशन की तिथि पर ही जाएं। उन्होंने बताया कि चार धाम यात्रा-2024 के लिए उत्तराखण्ड सरकार द्वारा https://registrationand-touristcare.uk.gov.in/signin.php अथवा मोबाइल ऐप Toursit Care Uttarakhand पर अनिवार्य पंजीयन की व्यवस्था लागू की गई है। इसलिए चारधाम यात्रा-2024 के लिए अनिवार्य पंजीकरण प्रक्रिया पूरी नहीं करने वाले तीर्थ यात्री एवं श्रद्धालु चार धामों की यात्रा न करें। ऐसे यात्री, जिनका पंजीयन नहीं है, उन्हें निर्धारित चेक प्वांइन्ट्स पर रोक दिया जायेगा और वे उसके आगे नहीं जा सकेंगे। जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने निर्देश दिए कि जनपद के समस्त टूर ऑपरेटर तथा ट्रैवल एजेन्ट भी यह सुनिश्चित कराएँ कि उनके ग्राहकों द्वारा यात्रा प्रारम्भ करने से पहले आवश्यक पंजीकरण करा लिया गया है। जनपद के समस्त इच्छुक श्रद्धालु यात्रा सम्बन्धी दिशा-

निर्देशों से अवगत रहें, जिससे उनकी चार धाम यात्रा बिना किसी व्यवधान के सुगमतापूर्ण ढंग से सम्पन्न हो सके।

### पीएम गृह एक वर्ष से बन्द पड़ा अपनी बदकिस्मती पर आंसू बहा है

# स्वीपर को नही मिली पगार तो छोड़ कर भाग गया

**धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।** हिण्डोरिया, नगर परिषद व्दारा थाना क्षेत्र हिंडोरिया के विभिन्न ग्रामों के घटना-दुर्घटना मे मृत व्यक्तियों के शवों के पोस्टमार्डम की समस्या को देखते हुए लगभग 15 वर्ष पूर्व बनवाया गया पीएम गृह स्वास्थ्य विभाग एवं शासन प्रशासन की घनघोर लापरवाही के चलते पिछले 01 साल से बंद पड़ा औचित्यहीन साबित हो रहा है ।इस सम्बंध मे एकता परिषद के पूर्व प्रदेश समन्वयक सुजात खान ने बताया कि राजनैतिज्ञों का गढ़ कहे जाने वाले नगर हिण्डोरिया में पीएम ग्रह के होने के बाद भी लोगों को शव परीक्षण के लिए आज भी समय एवं पैसा बर्बाद दोनों बरबाद करके दमोह जिला मुख्यालय तक आए दिन भटकना पड़ रहा है । पिछले 01 साल से पीएम गृह का संचालन सिर्फ इसलिए बंद है क्योंकि यहां पर जो आउटसोर्स कर्मी स्वीपर के पद पर पदस्थ था। उस बेचारे गरीब प्रशिक्षित स्वीपर को पूरी सिददत से कार्य करवा लेने के

पश्चात भी कई महीनो से पगार नहीं दी गई थी। इसलिए वह यहाँ से काम छोड़कर समय पर भाग गया। इस तरह उसने अपनी एवं अपने परिवार की बुध्दीमत्तापूर्ण निर्णय लेकर खादय सुरक्षा एवं सम्मान की रक्षा की। श्री खान ने बताया कि आउटसोर्सिंग के माध्यम से केन्द्र मे लगे अनेक अस्थायी कर्मचारियों को पिछले दो-तीन माह से पगार नहीं मिली है । इस कारण उन्हें भी जीवन यापन करने में काफी परेशानियों का नित सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में लोगों को पहले की तरह ही अपने परिजनों एवं रिश्तेदारों के शव परीक्षण के लिए परेशान होना पड़ रहा है । स्वास्थ्य विभाग आज भी इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा पाया है। इस दिशा में नगर परिषद हिण्डोरिया एवं पुलिस थाना हिंडोरिया के द्वारा भी कोई ठोस कदम या प्रयास नहीं किया जा रहे हैं। पीएम गृह तो छोड़िए दमोह जिला के इस सबसे बड़े एवं प्राचीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हिण्डोरिया मे एक प्रशिक्षित ड्रेसर भी पिछले 4-5 साल से पदस्थ नही है । जो कि हल्की फुल्की घटना दुर्घटना से पीड़ित की मरहम-पट्टी बंधन कार्य या उसकी प्रारम्भिक सर्जरी जैसा प्रारंभिक उपचार का कार्य भी कर सके। श्री खान ने कहा कि आखिर हिण्डोरिया क्षेत्र की भोली- भाली,गरीब जनता को स्वास्थ्य सेवा जैसी बेसिक सुविधा का ठीक से लाभ क्यों नहीं दिया जा रहा है। इस संबंध में बीएमओ अमित मिश्रा ने कहा कि मेरे व्दारा अपने स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से इस दिशा मे कई बार पत्र व्यवहार किया जा चुका है । अभी भी प्रयास जारी है। जैसे ही एक प्रशिक्षित स्वीपर मिलता है । बंद पीएम गृह में शव परीक्षण की सुविधा शुरू कर दी जाएगी। साथ ही ड्रेसर पदस्थ होते ही ये सुविधा भी केन्द्र मे सुसंचालित कर दी जायेगी। फिलहाल केंद्र में ड्रेसिंग का काम अकुशल कर्मियों के माध्यम से किया जा रहा है । क्षेत्रीय जनता ने कलेक्टर सुधीर कुमार गोचर एवं स्वास्थ्य विभाग दमोह के सीएम एचओ से नीम हकीमों पे कार्यवाही के साथ साथ इस दिशा में शीघ्र पहल करने की मांग की है।

# बेसहारा चौकीदार वृद्ध की बीमारी से इलाज के दौरान मौत

### युवाओं को सूचना मिलते ही मानवता का दिया परिचय, जटाशंकर स्थित श्मशान घाट में किया अंतिम संस्कार

**धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।** दमोह, जिसका कोई नहीं, उसका भगवान होता है. यह बात बिल्कुल सत्य है,जहां दमोह के युवाओं ने मानवता का परिचय देते हुए बेसहारा चौकीदार वृद्ध की बीमारी से ग्रस्त होकर इलाज के मौत हो जाने पर युवाओं ने शनिवार शाम को आगे आकर शहर के जटाशंकर स्थित शमशान घाट में जिला अस्पता चौकी में पदस्थ प्रधान आरक्षक शुवनारायण यादव और पोस्टमार्टम करने वाले मुन्ना बाल्मिक की मौजूदगी में अंतिम संस्कार कराकर मिसाल पेश की है. दरअसल जिला अस्पताल दमोह में विगत 15 मार्च को शहर के राय चौराहा स्थित गुजराती के घर में चौकीदारी कर रहे वृद्ध मोहन पिता धनीराम चढ़ार उम्र करीब (74 वर्ष) हथनी निवासी को बीमार हो जाने पर भर्ती कराया गया था, जिसका इलाज जिला अस्पताल में 20 मार्च 2024 तक चलता रहा. इसी दौरान

बेसहारा चौकीदार वृद्ध की इलाज के दौरान मौत हो जाने पर शव को सुरक्षित जिला अस्पताल के शव ग्रह में रखवा दिया गया था, पुलिस परिजनों की तलाश करती रही लेकिन बेसहारा चौकीदार वृद्ध का कोई न होने पर आज दूर की भनेजन जुगरानी की विशेष मौजूदगी में पूरी रीती-रिवाज के अनुसार शहर की मित्र मंडली कहे जाने वाले युवाओं ने आगे आकर सामग्री एकत्रित कर अंतिम संस्कार कराया.

**मित्र मंडली (युवा टीम) ने मिशाल पेश की शहर की मित्र मंडली कहे जाने वाले युवा साहिल उर्फ टिंकल बिरमानी ने कहा कि जिसका कोई नही होता उसका हम सभी मित्र मंडली (युवा) आगे आकर पूरी रीती-रिवाज के अनुसार अंतिम संस्कार कराते आ रहे हैं, शनिवार को हमारी युवा टीम में जेपी मिश्रा, इजराइल खान, प्रकाश गोस्वामी, जीशान बाबा, राहुल ठाकुर, रोहित शर्मा, करीम खान, मनीष ठाकुर, देव सिंह ठाकुर,लोकेश बाल्मीक, हजारी के अलावा और भी युवाओं ने वृद्ध का अंतिम कराया**

# मिथ्याछाप सामग्री विक्रय करने का लगा आरोप दोष

### 03 अनावेदक पर 01 लाख रूपये की अर्थदण्ड शास्ति अधिरोपित

**धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।** दमोह, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत मिथ्या छाप पनीर लूज/खोबा लूज एवं सहकार देशी घी विक्रय करने पर दोष सिद्ध होने के आरोप में अपर कलेक्टर एवं न्याय निर्णयन अधिकारी मीना मसराम ने जिले के 03 अनावेदकों पर 01 लाख रूपये के अर्थदण्ड की शास्ति अधिरोपित की है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी रावत (बुधौलिया) द्वारा प्रस्तुत परिवाद पर अनावेदक चन्द्र प्रकाश विश्वकर्मा पिता पंचमलाल विश्वकर्मा निवासी बनगांव तहसील पटेरा एवं पवन कुमार श्रीवास्तव पिता लखनलाल श्रीवास्तव निवासी बांसा तहसील दमोह पर अमानक पनीर लूज/खोबा लूज के विक्रय करने के आरोप में 50 हजार रूपये तथा सिंधी कच्चा कैंप तहसील दमयंती नगर दमोह निवासी अनावेदक अभिषेक आहूजा पिता महेश आहूजा द्वारा अमानक सहकार देशी घी विक्रय करने के आरोप में 50 हजार रूपये के अर्थदण्ड की शास्ति अधिरोपित की है। अधिरोपित शास्ति की राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया मुख्य शाखा दमोह में चालान द्वारा शीर्ष 0210- चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य 04 लोक स्वास्थ्य 104 शुल्क एवं दण्ड आदि 0754 खाद्य एवं औषधि नियंत्रण में जमा कराकर चालान की एक प्रति न्यायालय अपर कलेक्टर एवं न्याय निर्णयन अधिकारी के कार्यालय में प्रस्तुत करना होगी। अधिरोपित शास्ति की राशि 15 दिवस में जमा की जाये। नियत समयावधि में राशि जमा नहीं किये जाने पर अधिनियम की धारा 96 के तहत भू-राजस्व की बकाया की भांति वसूल की जायेगी। उन्होंने आदेशित किया है कि क्रय की गई सामग्री को अपील अवधि पश्चात विनिष्टिकरण किया जाये।

# ब्लॉक पटेरा के ग्राम मड़िया देवी सींग में निःशुल्क चिकित्सा शिविर संपन्न

### 54 मरीजों का हुआ मधुमेह, वातरोग, उच्च रक्तचाप का स्वास्थ्य परीक्षण

**धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।** दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत जिला आयुष अधिकारी डॉ. राजकुमार पटेल के मार्ग दर्शन में शासकीय आयुर्वेद औषधालय छेवलादुवे के द्वारा पटेरा ब्लाक के ग्राम मड़िया देवी सींग में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें स्वयं जिला आयुष अधिकारी डॉ. राजकुमार पटेल एवं डॉ अनंतराम पटेल अभाना के द्वारा आस-पास के ग्रामों से आये 54 मधुमेह, वातरोग, उच्च रक्तचाप एवं अन्य मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

# कटनी में चलाया गया चेकिंग अभियान

### खंगाले गए ऑटो और ई रिक्शा चालकों के आपराधिक रिकार्ड

**सुनील यादव । सिटी चीफ ।** कटनी, कटनी के थाना कुठला में ऑटो एवं ईरिक्शा चालकों का चेकिंग अभियान चलाया गया। कुठला पुलिस ने ऑटो और ई रिक्शा चालकों की विभिन्न प्रकार के अपराध में संलिप्त रहने की सूचना पर यह कार्यवाही की। कुठला पुलिस ने बताया की उन्हे आए दिन शिकायत मिलती रहती है की कुछ आटो चालक पुलिस से छुपकर अपराध करते रहते हैं इसी के तहत

थाना प्रभारी कुठला अभिषेक चौबे के द्वारा ऑटो एवं ई रिक्शा चालकों का कैरक्टर वेरीफिकेशन किया जा रहा है और आपराधिक रिकार्ड भी खंगाल जा रहा है। इसमें थाना क्षेत्र के रहने वाले सभी ऑटो और ई रिक्शा चालकों के अलावा उनको भी शामिल किया जा रहा है जो थाना क्षेत्र से सवारियों को लाने ले जाने का काम करते हैं। ऑटो चालकों के वेरिफिकेशन के द्वारा यह ध्यान रखा जा रहा है कि सवारीयों को कोई परेशानी ना हो।

# शहडोल में छत्रपाल सिंह रघुवंशी बने विश्व हिंदू महासंघ के जिला अध्यक्ष

### मिष्ठान वितरण करा, परिचितों ईस्ट मित्रो ने बधाई दी

**मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ ।**शहडोल, प्रदेश अध्यक्ष पुष्पराज सिंह बघेल की अनुशंसा पर बीते गुरुवार छत्रपाल सिंह रघुवंशी को विश्व हिंदू महासंघ का जिला अध्यक्ष शहडोल मनोनीत किया गया हैं। गौरतलब है कि यह संगठन सम्पूर्ण भारत ही नहीं पुरे विश्व में सक्रिय है। शहडोल जिले भर में इस संगठन का विस्तार के लिए छत्रपाल सिंह रघुवंशी बतौर जिला अध्यक्ष कार्यकारणी घोषित करेंगे। हम आपको बता दे कि यह नियुक्ति धर्म की रक्षा हेतु समर्पित होकर अपने देश तथा हिंदू समाज को एकजुट करने एवं सुरक्षा प्रदान करने में अहम भूमिका निभा रही है। इस अवसर पर नवनियुक्त जिला अध्यक्ष कि निवास पर मिष्ठान वितरण किया गया, पुरानी बस्ती एवं आसपास के परिचितों ईस्ट मित्रो ने बधाई दी।

# ड्रग्स माफियाः शहडोल की फ़ि ज़ा में घोल रहा जहर

## बेक़सूर पर सख्ती, माफिया पर रहम, कार्यवाही पर सवाल

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ । शहडोल, जिले में लगातार अवैध तरीके से प्रतिबंधित अथवा बिना डॉक्टर से लिखी दवाइयाँ जिले के में खुले मार्केट में दूध के लगार की तर्ज पर बेचीं जा रही है यह कहना गलत नहीं होगा यह काला कारोबार जिले के चर्चित कल्याणपुर और पुरानी बस्ती से संचालित हो रहा है, ड्रग्स रैकेट में शामिल अथवा इनको सपोर्ट करने वाली लोग भी पुरानी बस्ती अथवा कल्याणपुर के ही है जो पुलिस के स्थानीय बीट प्रभारी से मिलकर ही नशे का कालकारोबर संचालित करते है, सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पुरानी बस्ती सत्यम वीडियो चौक से लेकर कल्याणपुर केंद्रीय विद्यालय के इर्दगिर्द नशे का काला कारोबार परवान चढ़ रहा है, इस नशे में गांजा, शराब, से लेकर सस्ता नशा ड्रग्स की गोली जिसको सूखा नशा भी कहा जाता है, इसकी लत में सबसे ज्यादा पढ़ने वाले छात्रों को ही देखा जा रहा है यह जिले की कानून व्यवस्था के लिए बुरा संकेत है, छोटे छोटे विद्यार्थी इस कदर इस नशा को लेकर आप खो रहे है, हालही में हुए गैंग रेप वाली जगह में आये दिन राहगीरों से लूट पाट, हुआ करती थी कभी किसी का रास्ता रोका जाता था कभी घूमने निकले छात्र छात्राओं, विद्यार्थियों की अनापसनाप फोटो खींच खींच कर ब्लैकमेल कर पैसे वसूलने की खबरे आ रही थी, इतना ही नहीं कुन्नू पनिका नामक आरोपी का पहले भी एक वीडियो वायरल हुआ था, और नाम जद नशे का कारोबार किये जाने की शिकायत थाना कोतवाली को मिली थी जिसमे गाँधी के फेरे में

धाराएं कम की गई, जिसके कुछ ही दिनों में अपराधी दरिंदे बन गए, इतनी बड़ी बड़ी घटनाये जिसको स्थानीय बीट प्रभारी ने आखिर किस स्वार्थ सिद्धि के लिए दबा कर बैठ गए थे, फर्ज करो गैंगरेप पीड़िता किसी हाई प्रोफाइल नेता और पुलिस अफसर की होती तो क्या अब तक सरग़ना जेल की सलाखों के पीछे न होता, ऐसे कई सवाल है जो पुलिस के आला अफसर अभी भी नज़र अंदाज़ कर रहे है, जैसे ड्रग्स आता कहा से है मंगाता कौन है, स्थानीय दो मोबाइल टॉवर की मदद से कितने संदिग्ध कॉल घटना दिनांक को आयी गई।

**ड्रमेबाज़ नशेड़ी और दयालु पुलिस.....**

हालही में बीती दिनों बीच बाजार में किसी गोल्डी नामक व्यक्ति ने नशे में है सही। लेकिन एक छोटे व्यापारी को दुकान में सामान के बदले पैसा मांगना भारी अपराध सा हो गया, अचानक शराबियो का झुण्ड ने हमला कर गरीब दुकानदार की रोजी रोटी खतरे में दाल दी द्य नशेड़ियों ने बेक़सूर दुकानदार की बेदम पिटाई कर डाली, मामला सन्ति व्यवस्था के नजरिये से स्वत: संज्ञान लेने का था इस पूरी घटनाक्रम की खबर थाना कोतवाली पुलिस और थाना प्रभारी राघवेंद्र तिवारी को होने के बावजूद कार्यवाही का नहीं लिख गया और जिले की जनता कुमार प्रतीक की कप्तानी में सुसाशन की राह तक रही है।

**भूमाफिया के इशारे पर मारा छापा....**

शहडोल का श्याम बाग़ को कौन नहीं जनता यहाँ रहने वाला परिवार को शहडोल ही नहीं आसपास के दस गावो के लोग मानते जानते है कि वक्त बेवक्त गरीबो असहयो कि मदद को अक्सर इस परिवार के दरवाज़े खुले रहते है, खेती किसानी और सब्जी का कारोबार करने वाले ने हालही में टाइल्स का काम भी शुरू किया, इसके अलावा कोई कामधंधा नहीं था न है, इस किसान के शिखंडी, भूमाफिया दोस्त से नहीं मिलती विचारधारा बेकसूर के लिए नासूर बन गई, पुलिस का कहना है कि शराब बेचता था, अब कोई पुलिस को बताये कि पुलिस कंट्रोल रूम के हाई फिकवेंसी वाले कैमरों के आगे कोई दूध में पानी न मिला पायेगा और एक किसान कैमरे कि निगरानी में शराब बेचता था, जबकि सूत्रों के हवाले से कहानी कुछ इस तरह थी 13 मई पुलिस कि छापा मर टीम को एक भूमाफिया में इनपुट दिया, पुलिस ने किसान को मारमार कर लहूलुहान कर दिया सीसीटीवी फुटेज के अनुशार तकरीबन 30 मिनट तक पुलिस ने मारपीट कि उनकी गर्भवती पत्नी से अभद्रता भी कर दी l जिसके बाद फेसबुक में वायरल वीडियो में देखा गया देर रात तक जबरन कि कार्यवाही पुलिस करती रही।ऐसे में क्या माना जाये कि पुलिस अपराधियों के लिए रहमदिल और इज्जतदार प्रतिष्ठित किसान व्यापारियों के लिए सख्त।कलेक्ट्रेट के सामने हुई गुंडई हल ही में विवेकानंद नामक यातायात पुलिस के जवान ने दो लोगो के बीच आकर कलेक्ट्रट के गेट नंबर एक के सामने चल रही मारपीट, गुंडागर्दी को काबू में कर लिए वरना यह भी एक हादसा में अनहोनी की खबर आती, इस मामले से यह आशय है की अपराध के पूर्व अपराधियों में खौफ पूरी तरह से शहडोल में हुआ खत्म। इसके पीछे की वजह दशको से शहडोल में जमे एएसआई और कांस्टेबल। जिस तरह से अपराध होने के बाद पतासाजी की जनि चाहिए बड़े से बड़े मामले को मैनेज करने का मद्दा इन पुलिस कर्मियो के पास है।

### आपराधिक घटनाक्रम और नागरिको की सहनशीलता

**गैंगरेप मामले में शिकायत के अंश....**

नाबालिग को तीन लोगों ने उसे झाड़ियों के पीछे जंगल में ले जाकर पटक दिया। दो ने मेरी बेटी के साथ रेप किया। जब उसने उसका विरोध किया तो पेड़ की टहनी तोड़कर मारना शुरू कर दिया। जब ये तीनों बाहर चले गए तो बाकी के बचे दो लोगों ने भी आकर रेप किया। बच्ची ने अपनी मां को बताया कि रेप करने के बाद आरोपियों ने मुझे दोस्त के पास ले जाकर उसके साथ वीडियो बनाया। बोला कि जो हुआ उसके बारे में किसी को बताया तो वीडियो वायरल कर दूंगा। उसने थप्पड़ मारकर मां-बाप का नाम पूछा। मैं बदहवास थी, जो पूछता गया मैं बताती गई। मैं थप्पड़ खाने की हालत में नहीं थी और वह लगातार पीट रहा था। सब कुछ जानने के बाद आरोपी ने मेरे हाथ में 500 रुपए का नोट दिया और बोला कि जब भी मैं फोन करूं तो जहां बुलाऊं वहां चली आना, नहीं तो जान से मार दूंगा। गौरतलब है कि पुलिस ने पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके घरों पर बुलडोजर कार्रवाई की है। लेकिन मां का कहना है कि आरोपियों को गोली मार दी जाए। अब इतनी बड़ी वारदात ड्रग्स रैकेट के शहडोल में पनपने से है इसके विरुद्ध पुलिस ने क्या क्या समझ से परे है बल्कि हालही में हुई जनता की नजरो में अब तक की सबसे बड़ी कागजी कार्यवाही के तौर पर देखा जा रहा है।

**प्रतिक्रया.....**

साहब पुलिस अपनी नाकामी छिपा रही है, चोर डकैत को पुलिस पकड़ने कि जगह ईमानदार लोगो को
पकड़ रही है इस बार पुलिस से ही अपराध कैमरे और सीसीटीवी के सामने हुआ, मामला कोर्ट तक पहुंच
गया तो पुलिस कोतवाली कि कार्यवाही कि हक़ीक़त सामने होगी।

**आम नागरिक, शहडोल** शहडोल में पुलिस का ध्यान अपराधियों बदमाशों चोर डकैतों को जेल में डालने का है नाहक़ व्यापारियों किसानो को तंग करना सरासर गलत है इस मामले में वायरल वीडियो मैंने ही नहीं 10 हजार से अधिक लोगो ने देखा है सभी शहडोल पुलिस कि कार्यवाही पर सवाल उठा रहे है द्य कानून व्यवस्था में तत्काल सुधार हो वरना इस तरह कि कार्यप्रणाली के खिलाफ जन आंदोलन किया जायेगा।

**छत्रपाल सिंह, अध्यक्ष**
**युवा मोर्चा, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी, शहडोल**

# बुक कर ली थी फ्लाइट की टिकट, जल्द ही आने वाला था इंडिया...ऑस्ट्रेलिया में मिला भाजपा नेता के बेटे का शव

**इंटरनेशनल डेस्क:** तेलंगाना के शादनगर शहर निवासी 30 वर्षीय आईटी पेशेवर अरविंद (30) का शव आस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में समुद्र से बरामद किया गया है। न्यू साउथ वेल्स में रह रहा अरविंद कार को गैराज ले जाने के लिए निकला था और फिर लापता हो गया। पीड़ित के परिजनों ने यह जानकारी दी। अरविंद के रिश्तेदार कृष्णा ए. ने शनिवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने शुक्रवार को उसकी मौत की जानकारी परिजनों को दी। साथ ही उन्होंने बताया कि मृत्यु का कारण स्पष्ट नहीं है और इस मामले में जांच की जा रही है। शादनगर के मूल निवासी अरविंद स्थानीय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता दिवंगत आरती कृष्ण यादव के इकलौते बेटे थे। अरविंद के परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों ने केंद्र सरकार से उसके पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द न्यू साउथ वेल्स से हैदराबाद वापस लाने में मदद करने का अनुरोध किया है। अरविंद ऑस्ट्रेलिया में एक आईटी पेशेवर के रूप में कार्यरत था। वह 2017 से न्यू साउथ वेल्स में रह रहा था और लगभग दो साल पहले उसकी शादी हुई थी। उसके रिश्तेदार ने कहा कि अरविंद और उसकी पत्नी भारत आने की योजना बना रहे थे और टिकट भी बुक हो चुके थे। जबकि अरविंद की मां जो आस्ट्रेलिया में उनके साथ रह रहीं थी, हाल ही में भारत लौट आई थीं। उन्नीस मई को अरविंद ने अपनी पत्नी से कहा था कि वह कार गैरेज में ले जा रहा है लेकिन उसके बाद वह लापता हो गया। अरविंद की पत्नी ने उसे फोन किया लेकिन कोई जवाब नहीं मिलने पर उसने 20 मई को न्यू साउथ वेल्स पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। कृष्णा ने बताया कि बाद में अरविंद का शव सिडनी में एक समुद्र तट के पास पाया गया और डीएनए परीक्षण से पुष्टि हुई कि यह अरविंद का ही शव था। शादनगर के मूल निवासी अरविंद स्थानीय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता दिवंगत आरती कृष्ण यादव के इकलौते बेटे थे। कृष्णा ने केंद्र सरकार से अरविंद के शव को घर वापस लाने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का अनुरोध किया। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने भी विदेश मंत्री एस जयशंकर से अरविंद के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत वापस लाने में आवश्यक मदद करने का आग्रह किया है।

**लंदन में होगी दुर्लभ भारतीय नोट की नीलामी**

# वर्ष 1918 में डूबे पोत के मलबे से हुआ बरामद

**लंदन-** वर्ष 1918 में लंदन से बंबई जाते समय समुद्र में एक पोत के डूबने के बाद उसके मलबे से मिले 10 रुपए के दो दुर्लभ भारतीय नोटों की अगले बुधवार को नीलामी की जाएगी। एसएस शिराला नामक पोत के मलबे से 10 रुपए के दो बैंक नोट बरामद किए गए थे, जिसे दो जुलाई, 1918 को एक जर्मन यू-बोट (पनडुब्बी) द्वारा डुबाया गया था। इन नोट पर 25 मई, 1918 की तारीख अंकित है। लंदन में नूनन्स मेफेयर नीलामी घर अपनी 'विश्व बैंकनोट बिक्री के तहत इन नोटों को बोली लगाने के लिए पेश करेगा और अनुमान है कि इनकी कीमत 2,000 से 2,600 पाउंड के बीच रहेगी।नूनन्स में मुद्राशास्त्र से जुड़े मामलों की वैश्विक प्रमुख थॉमसिना स्मिथ ने कहा, ''इन नोटों की पूरी खेप के साथ मुरब्बे से लेकर गोला-बारूद तक सामग्री लंदन से बंबई भेजी जा रही थी, जब पोत को एक जर्मन यू-बोट द्वारा डुबा दिया गया। उन्होंने कहा, ''कई नोट तैरकर किनारे पर आ गए जिनमें बिना हस्ताक्षर वाले पांच और 10 रुपये के नोट और एक रुपये के हस्ताक्षरित नोट शामिल थे। इनमें से एक रुपए का एक नोट इस नीलामी में भी शामिल है। अधिकांश नोट को बरामद कर लिया गया और बाद में सरकार द्वारा इन्हें नष्ट करा दिया गया और उनके स्थान पर नए नोट छापे गए। लेकिन कुछ नोट निजी लोगों के पास रह गए। स्मिथ ने कहा कि उन्होंने इस तरह के नोट पहले कभी नहीं देखे हैं और ये नोट 'बैंक ऑफ इंग्लैंड द्वारा सोशल मीडिया पर 1918 में जहाज के विध्वंस की घटना का उल्लेख करने के बाद प्रकाश में आए। उन्होंने कहा कि ये नोट बहुत ही अच्छी स्थिति में हैं और वे निश्चित तौर पर नोट की गड्डी के मध्य में रहे होंगे जिससे वह समुद्री पानी में भीग नहीं पाए। चौंकाने वाली बात यह भी है कि नोटों पर छपे नंबर दो क्रमागत संख्याएं हैं। इस नीलामी में ब्रिटिश उपनिवेश के दौरान तत्कालीन भारत सरकार के 100 रुपये के एक दुर्लभ नोट को भी बिक्री के लिए रखा जाएगा और इसके 4,400 से 5,000 पाउंड के बीच बिकने का अनुमान है। इस नोट के पिछले हिस्से पर बांग्ला और हिंदी समेत कई भारतीय भाषाओं में 100 रुपए मुद्रित है।

# चीन ने तिब्बत का पेयजल मालदीव को किया गिफ्ट, 1500 टन पानी की दूसरी खेप भेजी

**इंटरनेशनल डेस्क:** चीन ने मालदीव को 1,500 टन पानी की खेप सौंपी है, जो दो महीने से भी कम समय में इस तरह का दूसरा योगदान है। ये पानी तिब्बती ग्लेशियरों से प्राप्त किया गया है। एक मीडिया खबर में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। यह उन कई अनुदानों और सहायता में सबसे हालिया खेप है जिसका चीन ने मालदीव को वादा किया है, खासकर जब से चीन समर्थक मोहम्मद मुइज्जू ने नवंबर 2023 में राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभाला है। समाचार पोर्टल सन डॉट एमवी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि चीन के जिजांग स्वायत्त क्षेत्र ने बृहस्पतिवार को मालदीव सरकार को 1,500 टन पेयजल दान दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, विदेश मंत्रालय ने कहा कि दान किया गया पानी पेयजल की किल्लत के दौरान उपयोग के लिए नागरिकों को वितरित किया जाएगा। इससे पहले 27 मार्च को मालदीव सरकार ने उसे चीन से 1,500 टन पानी की ऐसी ही खेप मिलने की घोषणा की थी। यहां आयोजित एक समारोह में मालदीव में चीनी राजदूत वांग लिक्सिन ने विदेश मंत्री मूसा जमीर को ये खेप सौंपी। इस मौके पर जमीर ने कहा कि चीन ''मालदीव का अच्छा दोस्त है, खासकर चुनौतीपूर्ण समय और संकट के दौरान ये अहम सहयोगी हैं। दिसंबर 2014 में, माले जल और सीवरेज कंपनी परिसर में भीषण आग लगने के बाद मालदीव अपने अपने सबसे खराब जल संकट से गुजर रहा था और इसी दौरान भारत ने चार दिसंबर 2014 को 'ऑपरेशन नीर% चलाकर मालदीव को पानी उपलब्ध कराया था।

# दिल्ली के कृष्णा नगर इलाके में एक और आग की घटना, 3 की मौत और 10 घायल

**नेशनल डेस्क-** दिल्ली में एक और जगह भीषण आग लगने से 3 लोगों की मौत हो गई। दिल्ली के विवेक विहार के बाद कृष्णा नगर में भी एक घर में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 लोग घायल हैं। बता दें कि यह आग चार मंजिला बिल्डिंग की पार्किंग में खड़ी 11 बाइकों में लगी जिसकी लपटें पहली मंजिल तक फैल गई थी। ये घटना देर रात कृष्णा नगर में बैंक ऑफ इंडिया के पास एक नंबर गली में छाछी बिल्डिंग में हुई है। फिलहाल फायर ब्रिगेड के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और उन्हें पहली मंजिल पर एक जला हुआ शव मिला और 12 लोगों का ऊपरी मंजिल से रेस्क्यू किया गया। बता दें कि इससे पहले शनिवार देर रात दिल्ली के चाइल्ड केयर यूनिट में भीषण आग लगी थी, जिसमें 12 बच्चों का रेस्क्यू कर लिया गया था, उनमें से सात बच्चों की इलाज के दौरान मौत हो गई है।

# खुद को महिला कॉलेज टीचर बताया, ऐप का इस्तेमाल कर बदली आवाज, सुनसान जगह बुलाकर 7 छात्राओं से किया रेप

**नेशनल डेस्क-** मध्य प्रदेश के सीधी जिले में एक 30 वर्षीय व्यक्ति को एक महिला कॉलेज शिक्षक के रूप में पेश करने और उन्हें *scholarship fund* के संबंध में कॉल करने के बाद कम से कम सात लड़कियों के साथ बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ब्रजेश प्रजापति ने अपने संभावित पीड़ितों से फोन पर बात करते समय एक महिला की तरह आवाज निकालने के लिए आवाज बदलने वाले ऐप का इस्तेमाल किया था। वहीं, मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मामले की विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच के आदेश दिए, गिरफ्तारी के बाद आरोपी के अनधिकृत घर को ध्वस्त कर दिया गया। रीवा रेंज के महानिरीक्षक (आईजी) महेंद्र सिंह सिकरवार ने कहा, प्रजापति के तीन सहयोगियों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रजापति ने खुद को टिकारी के एक कॉलेज से महिला कॉलेज शिक्षक बताकर छात्राओं को बुलाया और उन्हें मिलने के लिए कहा ताकि उन्हें छात्रवृत्ति मिल सके। वारदात के बाद वह लड़की का मोबाइल फोन छीन लेता था. शिकायतकर्ताओं में से एक के अनुसार, ऐसी ही एक बातचीत के बाद, हेलमेट और हाथ के दस्ताने पहने हुए प्रजापति ने खुद उसे मोटरसाइकिल पर उठाया, एक सुनसान जगह पर ले गया और कथित तौर पर उसके साथ बलात्कार किया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि अपराधी के हाथों पर जलने और चोटों के निशान थे और आखिरकार उसे पकड़ लिया गया। आईजी सिकरवार ने कहा कि जहां प्रजापति ने सात लड़कियों से बलात्कार करने की बात कबूल की है, वहीं चार लड़कियां शिकायत दर्ज कराने के लिए आगे आई हैं। अधिकारी ने कहा, वह और भी लड़कियों से बलात्कार कर सकता था और जांच जारी है। उनके सहयोगियों लवकुश प्रजापति, राहुल प्रजापति और संदीप प्रजापति को भी गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 16 मोबाइल फोन बरामद किए गए। आईजी ने कहा, उनमें से एक कॉलेज का छात्र था और उसे एक कॉलेज के व्हाट्सएप ग्रुप से लड़कियों के नंबर मिले थे। अपराधों में उनकी सटीक भूमिका का अभी तक पता नहीं चल पाया है। बलात्कार, अपहरण, मारपीट और डकैती का पहला मामला 13 मई की घटना के बाद 16 मई को दर्ज किया गया था। क्रमश: 4 मई और 20 मई को हुए अपराधों पर 18 मई और 23 मई को दो और मामले दर्ज किए गए थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 15 अप्रैल को हुए अपराध को लेकर 19 मई को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत एक और प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि सीएम यादव के निर्देश के बाद आईजी सिकरवार ने कुसमी की अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) रोशनी सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में नौ सदस्यीय एसआईटी का गठन किया, जो सात दिनों में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

# भीषण चक्रवात रेमल आज रात बंगाल तट से टकराएगा बंद रहेगा कोलकाता एयरपोर्ट, अलर्ट जारी

**नेशनल डेस्क-** भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक कम दबाव प्रणाली गंभीर चक्रवाती तूफान रेमल में तब्दील हो गई है और इसके रविवार आधी रात को पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के तटों के बीच टकराने की आशंका है। रेमल, जिसका अरबी में अर्थ रेत होता है, इस सीज़न में बंगाल की खाड़ी में पहला प्री-मॉनसून चक्रवात है। उत्तरी हिंद महासागर में चक्रवातों के लिए क्षेत्रीय नामकरण प्रणाली का अनुसरण करते हुए, यह नाम ओमान द्वारा प्रदान किया गया था। मौसम विभाग के अनुसार, 26 और 27 मई को पश्चिम बंगाल और उत्तरी ओडिशा के तटीय जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा की भविष्यवाणी की गई है। 27 और 28 मई को रेमल के प्रभाव के कारण पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में भी अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है। रविवार सुबह अपने नवीनतम बुलेटिन में, आईएमडी ने कहा कि रेमल छह किमी प्रति घंटे की गति से लगभग उत्तर की ओर बढ़ गया और एक गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया। यह खेपूपारा (बांग्लादेश) से लगभग 290 किमी दक्षिण-दक्षिणपश्चिम, मोंगला (बांग्लादेश) से 330 किमी दक्षिण, सागर द्वीप समूह (पश्चिम बंगाल) से 270 किमी दक्षिण-दक्षिणपूर्व, दीघा (पश्चिम बंगाल) से 390 किमी दक्षिण-दक्षिणपूर्व और 310 किमी दूर केंद्रित है। आज सुबह 5:30 बजे तक कैनिंग (पश्चिम बंगाल) से दक्षिण-दक्षिणपूर्व किमी। मौसम विभाग ने कहा कि 110-120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के साथ रेमल के रविवार आधी रात को सागर द्वीप और खेपुपारा के बीच पश्चिम बंगाल और आसपास के बांग्लादेश तटों को पार करने की उम्मीद है। भूस्खलन के समय, 1.5 मीटर तक की तूफानी लहर के कारण तटीय पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के निचले इलाकों में पानी भर जाने की आशंका है। कोलकाता, हावड़ा, नादिया और पूर्व मेदिनीपुर जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया था, जिसमें मौसम कार्यालय ने हवा की गति 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे के बीच और 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की चेतावनी दी थी। 26 और 27 मई को कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा की भविष्यवाणी की गई है। आईएमडी ने दक्षिण और उत्तर 24 परगना जिलों में स्थानीय बाढ़ और कमजोर संरचनाओं, बिजली और संचार लाइनों, कच्ची सड़कों, फसलों और बगीचों को महत्वपूर्ण नुकसान की चेतावनी दी है। लोगों से घर के अंदर रहने और बाहर, खासकर समुद्र के पास न जाने को कहा गया है। वहीं, उत्तरी ओडिशा के तटीय जिलों बालासोर, भद्रक और केंद्रपाड़ा में 26-27 मई को भारी बारिश हो सकती है, जबकि 27 मई को मयूरभंज में भारी बारिश होने की संभावना है।

# ब्रिटेन के सिखों ने भारत की लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया पर जताया भरोसा

## झूठी आलोचनाओं को किया खारिज

**लंदन:** ब्रिटेन में भारतीय सिख प्रवासी समूह के सदस्यों ने भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए अपना मजबूत समर्थन व्यक्त किया है, हालांकि उन्होंने देश की चुनावी प्रक्रिया के खिलाफ मुट्ठी भर आलोचनाओं को खारिज कर दिया है, जिसे दुनिया की सबसे बड़ी में से एक माना जाता है। पश्चिमी लंदन के उपनगरीय शहर साउथहॉल में रहने वाले हरप्रीत सिंह मुल्तानी का कहना है कि भारत ने हाल के वर्षों में जो प्रगति की है वह स्पष्ट है। भारत में जिस तरह का विकास हो रहा है, हम ब्रिटेन में बैठकर देख रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में बड़े विकास हुए हैं। मैं किसी राजनीतिक दल का पक्ष नहीं ले रहा हूं, लेकिन अगर सकारात्मक काम हुआ है, तो हुआ है। चुनाव लोग स्वतंत्र और निष्पक्ष हैं क्योंकि उन्होंने विकास देखा है, अन्यथा वे ऐसे उम्मीदवार को वोट नहीं देंगे जो अच्छा काम कर रहा हो। लंदन स्थित वकील बलजिंदर सिंह राठौड़ ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के महत्व और स्थानीय प्रतिनिधियों की भूमिका पर जोर दिया। यह भारत में चुनाव का मौसम है, और चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष होना चाहिए, जो पहले से ही हो रहा है। मुझे उम्मीद है कि लोग अपने स्थानीय मुद्दों के आधार पर योग्य उम्मीदवारों को वोट देंगे। आपके स्थानीय संसद सदस्य (सांसद) आपके मुद्दों को हल कर सकते हैं, और आपको उन्हें वोट देना चाहिए । राठौड़ ने अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के प्रति भारत की बढ़ती अपील पर भी गौर किया। भारत तेजी से एक महाशक्ति बन रहा है। निवेशकों को अब एहसास हो गया है कि चीन के बाद, उन्हें भारत में निवेश करना चाहिए। बड़ी संख्या में भारतीय अब यूके, कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यहां तक ??कि यूरोप जैसे देशों में बसे हैं। भारत के विकास में मदद मिलती है हमें आगे बढ़ने में मदद मिलती है और हमारी समृद्धि भारत को गौरवान्वित करने में मदद करती है। लंदन में एक सिख सामाजिक कार्यकर्ता दर्शन सिंह नागी ने पंजाब में आर्थिक प्रगति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, अगर मैं पिछले 10 वर्षों में पंजाब की बात करूं तो वहां केवल एक हवाई अड्डा हुआ करता था, लेकिन अब हमारे पास छह हवाई अड्डे हैं, जो पंजाब में रहने वाले लोगों के लिए एक अभूतपूर्व लाभ है। वे दुनिया में कहीं भी यात्रा कर सकते हैं। नागी ने चंडीगढ़ से नए अंतरराष्ट्रीय उड़ान मार्गों पर भी प्रकाश डाला, उन्होंने कहा, अब, मैं समझता हूं कि मध्य पूर्व के माध्यम से सिंगापुर और अन्य देशों में जाने के लिए चंडीगढ़ से उड़ानें शुरू हो रही हैं, जो पंजाब में रहने वाले लोगों के लिए अद्भुत खबर है। यह बहुत आसान है दुनिया में कहीं भी जाओ। चल रहे चुनावों के बारे में नागी ने कहा, हम स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करा रहे हैं, जो आश्चर्यजनक है। ऐसा कई जगहों पर नहीं होता है, लेकिन भारत में, यह निष्पक्ष चुनाव कराने का बहुत अच्छा काम कर रहा है। उन्होंने वर्तमान सरकार के महत्वाकांक्षी

लक्ष्यों के प्रति अपना समर्थन जोड़ते हुए कहा, वर्तमान सरकार ने अब की बार 400 पार का नारा दिया है। अगर यह 400 सीटों तक पहुंचती है, तो यह एक बड़ी उपलब्धि होगी, और हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं, और हम यूरोपीय देशों से भी आगे हैं हम चाहते हैं? यह लोगों के लिए बहुत अच्छा जीवन सुनिश्चित करता है, और यह शानदार है। लंदन में गुरुद्वारा मिरी पीरी के अध्यक्ष जसवंत सिंह ठेकेदार ने भारत की लोकतांत्रिक ताकत के बारे में भावना व्यक्त की, लेकिन विशिष्ट सामुदायिक चिंताओं की ओर इशारा किया। भारत अपने लोकतंत्र के लिए जाना जाता है। लोग सरकार से खुश हैं, लेकिन अगर वे फिर से सत्ता में आते हैं, तो मैं चाहता हूं कि सिखों से जुड़े मुद्दे हल हो जाएं। ये छोटे-मोटे विवाद हैं, जिनसे भारत में सिखों को फायदा होगा। उन्होंने कहा, भारत एक लोकतांत्रिक देश है, और चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष होते हैं। देश एक मजबूत सरकार का हकदार है जो अपने लोगों के कल्याण के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा कि जैसे ही भारत में चुनाव की अवधि समाप्त हो रही है, यूके सिख प्रवासी के विचार निरंतर प्रगति और निष्पक्ष शासन के लिए आशावाद और प्रत्याशा के मिश्रण को रेखांकित करते हैं। यूके की सिख आवाज़ों ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया और भारतीय मतदाताओं के सही फैसले पर पूरा भरोसा जताया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569